

सेवाओं, परामर्श एवं सहायता तंत्र से भी जोड़ा जाएगा। इस प्रक्रिया में छात्राओं की गोपनीयता एवं गरिमा को प्राथमिकता दी जाएगी। जिज्ञासा बावँस की स्थापना से विद्यालयीन छात्राओं को अपनी बात निर्भीकता, सहजता एवं गोपनीयता के साथ रखने का अवसर प्राप्त होगा तथा उनकी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं के समयबद्ध निराकरण की दिशा में प्रभावी पहल सुनिश्चित होगी।

संपादकीय

‘रक्त, विकल्परहित एक अमूल्य उपहार’



लायन डॉ. अरविन्द नेरल

नस्ल-दर-नस्ल आगे बढ़ाये
कयामत तक हर इंसान मुस्कुराये
मेरे खून का
इससे बेहतर कोई उपयोग नहीं
मेरा खून जितनी भी भिकदार में चाहिये
आप ले लें।

हमारे शरीर में प्रवाहित होने वाले रक्त पर केवल हमारा ही हक नहीं है। हमारे जिस्म में, यह खुदा की बेशकीमती अमानत है। हम जितना इसका दान करते हैं औरों के लिये, उतना कुछ ही समय में हमारे शरीर में फिर से बन जाता है। हम तो केवल जरिया हैं। इसे यूँ भी कह सकते हैं कि यदि हम समय-समय पर रक्तदान न करें, तो ये माना जायेगा कि हम अपने रक्त का सही इस्तेमाल करने से चूक रहे हैं। किसी जरूरतमंद मरीज को देने के लिये यह एक बेजोड़ और बेशकीमती तोहफा है, जिसका इस्तेमाल आप बार-बार कर सकते हैं। किसी की जान बचाने के लिये आपका डॉक्टर, तैनाक, फौजी या सुपर हीरो होना ही जरूरी नहीं। एक सामान्य नागरिक के सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुये रक्तदान कर भी आप लोगों की जान बचा सकते हैं।

जिस मरीज को रक्त की आवश्यकता है, उसके लिये आपका रक्त अमूल्य उपहार है। रक्त आपके हृदय का हिस्सा होता है, जिसे देकर आप इस बात की खुशी पा सकते हैं, जैसे आपके हृदय का कोई हिस्सा मरीज



का बनकर उसे नई जिंदगी दे रहा है। रक्त आज भी ऐसी वस्तु है, जिसे किसी अन्य स्रोतों से नहीं प्राप्त किया जा सकता, इसे न तो कारखाने में बनाया जा सकता है और नहीं खेतों में उगाया। आपका खून मात्र ही मरीज के खून का विकल्प हो सकता है। यकीन जानिये, रक्तदान से आपको वह जहनी सुकून मिलेगा,जिसे आप कहीं और से प्राप्त नहीं कर सकते। बस एक सुई की चुभन का दर्द सहने की इच्छाशक्ति हो तो आप किसी की जान बचा सकते हैं। आईये संकल्प लें, कि किसी भी मरीज की मौत खून न मिलने के कारण नहीं होने देंगे।

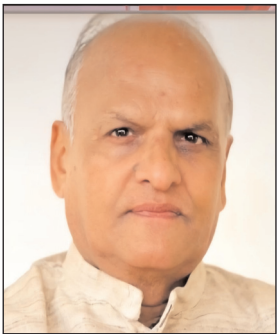
‘सिर्फ रगों में बहने के कायल नहीं हैं हम, जो औरों के काम आये लहू उसे कहते हैं।’

कोई भी व्यक्ति, जो 18 से 65 वर्ष की उम्र का हो, चाहे महिला हो या पुरुष, यदि सामान्यतः स्वस्थ हो, तो बेझिझक रक्तदान कर सकता है। एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में औसतन 5000 मि.ली. खून लगातार प्रवाहित होता रहता है। रक्तदान के समय इसमें से मात्र 350 मि.ली. (1 यूनिट) ही निकाला जाता है। इतनी कम मात्रा में खून निकालने से रक्तदाता को लेशमात्र भी परेशानी नहीं होती है। रक्तदान में मात्र 5 से 10 मिनट का समय लगता है और इसके पश्चात् व्यक्ति अपने सभी नियमित कार्य यथावत कर सकता है। उसे न तो किसी तरह के अतिरिक्त पौष्टिक आहार की जरूरत होती है, न ही विशेष व्यायाम या आराम की। प्रतिक्रिया स्वरूप हमारा शरीर दिये गये रक्त का पुर्ननिर्माण कुछ ही दिनों में कर लेता है। शरीर से थोड़ी मात्रा में रक्त निकालने से हमारे अस्थियों में स्थित लाल अस्थिमज्जा (जहाँ सामान्यतः रक्त का निर्माण होता है), को एक उत्तेरणा मिलती है और वह शरीर से निकाले गये रक्त की क्षतिपूर्ति स्वयं ही कर लेता है। अतः जितना खून रक्तदान में दिया जाता है, इसकी भरपाई नये ताजे खून से अपने आप ही हो जाती है। दूसरे शब्दों में यूँ कहें कि बिना कुछ दिये ही हम किसी की जान बचा सकते हैं।

’मौका दीजिए अपने खून को किसी के रगों में बहने का लाजवाब तरीका है ये कई जिस्मों में जिंदा रहने का ‘ प्रत्येक मिनट, दुनिया में कहीं न कहीं रक्त की जरूरत होती है।

कविता

कुदाल से कलम के गीत गाते पिता		
 <div>गोलेन्द्र पटेल</div>	पिता अगर जीवन के	संघर्षों का नारा था।
	स्वर हैं,	जाति-भेद की दीवारों से
	माँ उसकी लय हैं,	टकराना सिखलाया,
	वे दोनों संघर्षमय	अन्यायों के सम्मुख
जीवन में	मानवता की जय हैं।	सिर न झुकाना सिखलाया।
		ज्ञान को हथियार बनाकर
		आगे बढ़ते जाना,
		समता, स्वतंत्रता, बंधुता,
पिता ने उँगली थाम मुझे	शिक्षा-पथ दिखलाया,	न्याय का दीप जलाना।
	गिरकर उठना, लड़कर	मन समर्पित, कर्म समर्पित,
	बढ़ना,	मानव-मुक्ति को अर्पित,
	स्वाभिमान सिखलाया।	पिता! आपके त्याग से
पसीने से सींचे अरमान,	आँसू से अक्षर जगाए हैं,	मेरा राग है लोकार्पित।
	मेरे लिए वे कुदाल से	आपने धूप स्वयं ओढ़कर
	कलम के गीत गाए हैं।	मेरे लिए राह बनाई,
	छाले वाली हथेली में	आपके श्रम ने चेतना में
भविष्य हमारा था,	उनकी हर खामोशी में	नई उम्मीद जगाई।



गिरीश पंकज

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग एक ऐसी आधारशिला है, जिस पर देश की विशाल चुनावी व्यवस्था और जनता के मताधिकार की पवित्रता टिकी हुई है। संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत स्थापित यह संस्था स्वायत्तता, निष्पक्षता और तटस्थता की मिसाल रही है। हालांकि, पिछले कुछ समय से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य चुनाव आयुक्तों के नेतृत्व वाली इस संवैधानिक संस्था की कार्यप्रणाली को लेकर राजनीतिक गलियारों में एक तीखी बहस छिड़ी हुई है। विपक्ष ने तो सर्वोच्च न्यायालय में आयोग के खिलाफ याचिका भी दायर कर दी है। विपक्ष लगातार आयोग की निष्पक्षता पर सवालिया निशान खड़े कर रहा है, तो वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग और सत्ता पक्ष का स्पष्ट मानना है कि पूरी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, कानून-सम्मत और निष्पक्ष है। यह विवाद भारतीय लोकतंत्र के दो धुवों,संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता बनाम राजनीतिक दलों के जवाबदेही के दावों के बीच एक गंभीर मंथन का विषय बन गया है।

भारतीय चुनाव आयोग ने दशकों से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की परंपरा को कायम रखा है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि उसकी हर कार्रवाई संविधान और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के दायरे में होती है। आयोग का तर्क है कि संस्था किसी भी राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करती है। चुनाव के दौरान सुरक्षा बलों की तैनाती, आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों की सुरक्षा और समय-समय पर होने वाले मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे कार्य यह साबित करते हैं कि आयोग अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है.वर्तमान विवाद का एक बड़ा केंद्र मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एस आई आर और उससे जुड़े आंकड़े हैं। विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और अन्य ‘इंडिया’ गठबंधन के दल, लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि मतदाता सूचियों में बड़े पैमाने पर हेरफेर किया जा रहा है। सोशल मीडिया के इस दौर में वर्तमान सत्ता से नाखुश लोग चुनाव आयोग को लगातार लांछित कर रहे हैं। भाजपा पर तो तथाकथित वोट चोरी का आरोपी निरंतर लग रहा है। जबकि तटस्थ लोगों का यह मानना है कि वोट चोरी असंभव है क्योंकि विपक्ष के प्रत्याशी भी पिछले अनेक चुनाव में कहीं-न-कहीं से विजयी होते रहे हैं। अगर बीजेपी वोट चोरी करने की कला जानती तो पिछले चुनाव में वह अयोध्या लोकसभा की सीट नहीं हार सकती थी। विपक्ष का मुख्य तर्क है कि मतदाता सूचियों से वैध मतदाताओं के नाम सुनियोजित तरीके से हटाए जा रहे हैं, जिससे लोकतांत्रिक भागीदारी प्रभावित

होती है, विपक्षी दलों का आरोप है कि उन्हें और जनता को पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े पुख्ता और विस्तृत आंकड़े मुहैया नहीं कराए जा रहे हैं। विपक्ष का यह भी दावा है कि चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में वह सख्ती नजर नहीं आती जो सत्ता पक्ष के खिलाफ कार्रवाई के लिए जरूरी है। सोचने वाली बात यह है कि मतदाता सूची से नाम हटाने का लाभ किसे मिलेगा क्या बीजेपी कोऐसे में तो उसे घाटा होगा। लेकिन आश्चर्य है कि विपक्ष है इस सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। आयोग का स्पष्ट रुख रहा है कि मतदाता सूची को त्रुटिहीन, शुद्ध और पारदर्शी बनाने के लिए पुनरीक्षण एक नियमित और वैधानिक प्रक्रिया है। इन पंक्तियों के लेखक का भी विश्वास है कि चुनाव आयोग पूरी ईमानदारी के साथ अपना काम कर रहा है। इसके पहले भी आयोग अपनी भूमिका अदा करता रहा है। जिन मतदाताओं का अब दुनिया में अस्तित्व नहीं है, उनकी छंटनी तो जरूरी है। आयोग



बात को समझ ही नहीं रहा है। जितने अधिक मतदाता बढ़ेंगे,उतना अधिक लाभ भाजपा की ही होगा। जो नाम कट रहे हैं,वह स्वाभाविक रूप से कट रहे हैं. मतदाता पुनरपरीक्षण तो होना ही चाहिए पिछले कुछ वर्षों में न जाने कितने लोगों की मृत्यु हो चुकी है। विभिन्न शहरों के अनेक मतदाता कामकाज के सिलसिले में दूसरी जगह शिफ्ट हो चुके हैं, इन सब का परीक्षण करके देशव्यापी मतदाता सूची को दुरुस्त करना जरूरी है। आयोग और सत्ता पक्ष ने विपक्ष के अनुसार, मृत, स्थानांतरित और दोहरे मतदाताओं के नाम हटाना कानूनन अनिवार्य है ताकि चुनावी प्रक्रिया की शुचिता बनी रहे। सत्ता पक्ष का यह भी कहना है कि जब भी चुनाव परिणाम विपक्ष के पक्ष में नहीं आते, तब-तब संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर बेवजह सवाल उठाकर उनकी साख को भूमिल करने का प्रयास किया जाता है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल के दौरान राजनीतिक टकराव उस वक्त और

बढ़ गया, जब विपक्षी सांसदों ने संसद से लेकर चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकाला और मुखर विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष लगातार मुख्य चुनाव आयुक्त को केंद्र में रखकर उनकी कार्यशैली पर उंगलियाँ उठा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब एक ओर विपक्ष ‘एक व्यक्ति, एक वोट’ और संविधान की रक्षा का हवाला देकर आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर रहा है, वहीं दूसरी ओर चुनाव आयोग के लिए यह

सर्वोच्च स्वतंत्र संस्थाओं पर आक्षेप तक पहुंच जाते हैं, तो यह लोकतांत्रिक परिपक्वता के लिए एक आत्ममंथन का विषय बन जाता है। लोकतंत्र की सेहत के लिए यह आवश्यक है कि चुनाव आयोग जैसे निकाय पूरी तरह स्वतंत्र दिखें भी और कार्य करें भी। आयोग और राजनीतिक दलों के बीच संवाद का सेतु मजबूत होना चाहिए। यदि किसी दल को मतदाता सूची या किसी अन्य प्रक्रिया पर संदेह है, तो साक्ष्यों के आधार पर उसका समयबद्ध समाधान निकाला जाना चाहिए। भारत में चुनावी विवादों और संस्थागत फैसलों की समीक्षा के लिए न्यायपालिका का दरवाजा हमेशा खुला रहता है। यदि किसी पक्ष को प्रक्रिया में कोई कानूनी खामी नजर आती है, तो उसका समाधान अदालती दायरे में ही खोजा जाना लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाता है।

बहरहाल,चुनाव आयोग की साफ-सुथरी छवि और उसकी निष्पक्षता पर उठ रहे सवाल केवल एक व्यक्ति या एक आयोग की नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की साख से जुड़े हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और उनके सहयोगियों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे अपनी पारदर्शी कार्यशैली और ठोस निर्णयों के जरिए न केवल कानूनी और प्रशासनिक स्तर पर खरे उतरें, बल्कि राजनीतिक दलों के मन में उपजे अविश्वास के बादलों को भी पूरी तरह दूर करें। लोकतंत्र तभी अपनी पूरी खूबसूरती के साथ जीवित रह सकता है जब जनता का और हर राजनीतिक दल का देश की चुनाव प्रणाली पर अटूट विश्वास बना रहे।

मो. 9425212720

बोध कथा

सफलता का श्रेय

सफलता का श्रेय किसे इस प्रश्न पर एक दिन विवाद उठ खड़ा हुआ। ‘संकल्प’ ने अपने को, ‘बल’ ने अपने को और ‘बुद्धि’ ने अपने को अधिक महत्वपूर्ण बताया। तीनों अपनी-अपनी बात पर अड़े हुए थे। अंत में तो यह हुआ कि ‘विवेक’ को पंच बना इस झगड़े का फैसला कराया जाए।तीनों को साथ लेकर विवेक चल पड़ा। उसने एक हाथ में लोहे की टेढ़ी कील ली और दूसरे में हथौड़ा। चलते-चलते वे लोग ऐसे स्थान पर पहुँचे जहाँ एक सुंदर बालक खेल रहा था। विवेक ने बालक से कहा-बेटा इस टेढ़ी कील को अगर तुम हथौड़ा से टोक कर सीधी कर दो तो मैं तुमको एक पिटारी भी दूँ।” बालक की आँखें चमक उठीं। वह बड़ी आशा और उत्साह से प्रयत्न करने लगा। पर कील को सीधा कर सकना दूर उससे हथौड़ा उठा तक नहीं। भारी औज़ार उठाते के लायक उसके हाथों में बल नहीं था। बहुत प्रयत्न करने पर सफलता न मिली तो बालक खिन्न

होकर चला गया। इससे उन लोगों ने निष्कर्ष निकाला कि सफलता प्राप्त करने को अकेला ‘संकल्प’ अपर्याप्त है।त्वारों आगे बढ़े तो थोड़ी दूर जाने पर एक श्रमिक दिखाई दिया। वह खरौटे लेता हुआ सो रहा था। विवेक ने उसे झकझोर कर जगाया और कहा-इस कील को हथौड़ी मारकर सीधा कर दो मैं तुम्हें दस रुपया दूँगा।” उन्नींदी आँखों से श्रमिक ने कुछ प्रयत्न भी किया,पर वह नौद की खुमारी में बना रहा। उसने हथौड़ा एक ओर रख दिया और वहीं लेंट फिर खरौटे भरने लगा। निष्कर्ष निकला कि अकेला ‘बल’ भी काफी नहीं है। सामर्थ्य रखते हुए भी संकल्प न होने से श्रमिक जब कील को सीधा न कर सका तो इसके सिवाय और क्या कहा जा सकता था। विवेक ने कहा कि हमें लौट चलना चाहिए,क्योंकि जिस बात को हम जानना चाहते थे वह मालूम पड़ गई। संकल्प,बल और बुद्धि का सम्मिलित रूप ही सफलता का श्रेय प्राप्त कर सकता है। एकाकी रूप में आप लोग तीनों अधूरे-अपूर्ण हैं।

व्यंग्य केसरी

गणेश जी का दर्द न जाने कोय



वेबाक बनारसी

गणेश उत्सव का वह पावन अवसर समाप्त हो चुका था. सभी देवी-देवता अपने-अपने लोक लौट चुके थे और भगवान गणेश भी कैलाश या मोददपुर में अपने विश्राम कक्ष में विराजे थे। 2लेकिन इस बार बच्चा के लौटने का अंदाज कुछ अलग था। वे अपने दोनों चौड़े-चौड़े हाथों से अपने बड़े-बड़े कानों को जोर से दबाए हुए थे और दर्द से कराहते हुए

एक कोने में दुबक कर बैठे थे। उनकी इस विचित्र और दयनीय स्थिति को देखकर देवलोक के अन्य देवता, जिनमें देवर्षि नारद, भगवान विष्णु और भगवान शिव भी शामिल थे, चिंतित होकर उनके पास आए। भगवान शिव ने बड़े स्नेह से गणेश जी के कंधे पर हाथ रखा और पूछा, ‘पुत्र गजानन! क्या नमें दर्द नहीं हो रहा है, बल्कि मेरे कान पक चुके हैं! इस बार धरती के भक्तों ने जो मेरा सत्कार किया है, उसने मेरी सहनशक्ति को सारी सीमाएं पार कर दी हैं।’ देवर्षि नारद ने अपनी वीणा के तार को थामते हुए उसुकता से पूछा, ‘प्रभो! धरती पर तो आपके प्रति अगाध प्रेम और भक्ति उमड़ती है। तरह-तरह की सुंदर झांकियां सजती हैं, फिर ऐसी क्या आपदा आ गई?’ गणेश जी लंबी सांस लेते हुए बोले, ‘अरे नारद जी, प्रेम अपनी जगह है, लेकिन अति हर चीज की बुरी होती है। इस बार देश भर के भक्त जनों ने मेरी ऐसी-ऐसी चित्र-विचित्र झांकियां बनाईं कि उन्हें देखकर मेरी अपनी ही मूर्त मुझसे शरमा गई। कहीं मुझे आधुनिक सुपरहीरो के रूप में दिखाया गया, तो कहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता और तकनीक से लैस किसी रोबोट की तरह पंडाल में खड़ा कर दिया गया। किसी ने मुझे अंतरिक्ष यात्री बना दिया, तो किसी ने पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए पूरी तरह प्लास्टिक और कबाड़ से मेरा ढांचा खड़ा कर दिया। मैं तो विघ्नहर्ता हूँ, लेकिन इन कलाकारों ने मेरी कला का ऐसा

विच्छेदन किया कि मैं खुद असमंजस में पड़ गया कि मैं भगवान हूँ या कोई आधुनिक जीव ! सुबह से लेकर आधी रात तक पंडाल के बाहर बड़े-बड़े सारडे बॉक्स रख दिए जाते थे। उन पर ऐसे-ऐसे कर्णछेदी और बेसुरा संगीत बजाए जाते थे कि धरती क्या, पाताल तक के जीव कांप उठें। अब तो मुझे ऐसा लगता है कि कहीं मैं सचमुच बहरा न हो जाऊँ।’ नारद जी ने हंस्ते हुए कहा, ‘महाराज, जमाने के साथ ढीजे और लाउडस्पीकर का क्रेज बढ़ गया है, अब भक्त इसी तरह अपनी खुशी जाहिर करते हैं।’ गणेश जी ने सिर पकड़ते हुए कहा, ‘ऐसी खुशी से तो भगवान ही बचाए! अगले साल जब मैं आऊँगा, तो धरती के भक्तों के लिए एक कड़ा पदेश भजूंगा,झांकियां भले ही श्रद्धा से बनाओ, लेकिन कानों की सुरक्षा का भी ध्यान रखो।

इतिहास

1 अक्टूबर का दिन भारतीय और विश्व इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जन्म और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय दिवसों से जुड़ा है। भारत और विश्व की प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ 1854: भारत में पहली बार डाक टिकट का प्रचलन आरंभ हुआ, जिसकी कीमत आधा आना (1/32 रुपया) थी और इस पर महारानी विक्टोरिया का चित्र था। 1949: चीन में कम्युनिस्ट पार्टी के शासन की शुरुआत हुई और माओ त्से-तुंग ने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की स्थापना की घोषणा की। 1953: भाषा के आधार पर गठित होने वाला देश का पहला राज्य आंध्र प्रदेश (आंध्र राज्य के रूप में) वजूद में आया। 1967: भारतीय पर्यटन विकास निगम की स्थापना की गई।

बलरामपुर तहसील परिसर में ग्रामीणों से अवैधानिक वसूली पर उठ रहे सवाल

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। बलरामपुर तहसील कार्यालय में व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि तहसील परिसर में दस्तावेज लेखक (डीड राइटर) का निर्धारित शुल्क बोर्ड तक प्रदर्शित नहीं किया गया है, जबकि अनाधिकृत लोग खुलेआम बैठकर आवेदन, शपथ पत्र और अन्य दस्तावेज तैयार करने के नाम पर मनमानी रकम वसूल रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले भोले-भाले ग्रामीण इस कथित अव्यवस्था और दलाली का सबसे अधिक शिकार बन रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि तहसील परिसर में बैठे कई अनाधिकृत व्यक्ति स्वयं को जानकार बताकर आवेदन लिखने, शपथ पत्र तैयार कराने तथा अन्य दस्तावेजों कायों के लिए तय शुल्क से कई गुना अधिक राशि मांगते हैं। आरोप है कि स्टाम्प पर शपथ पत्र



तैयार करने के नाम पर भी लोगों से मोटी रकम वसूली जा रही है, जबकि आम नागरिकों को वास्तविक सरकारी शुल्क की जानकारी नहीं होने का फायदा उठाया जा रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि

यदि तहसील कार्यालय में दस्तावेज लेखकों की अधिकृत शुल्क सूची अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जानी चाहिए, तो अब तक उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? इससे आम लोगों को सही शुल्क की जानकारी नहीं मिल पा रही है

और कथित रूप से अवैध वसूली का रास्ता खुला हुआ है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि तहसील परिसर में अनाधिकृत दलाल खुलेआम बैठकर लोगों को अपने पास बुलाते हैं और सरकारी कार्य शीघ्र कराने का भरोसा देकर

अतिरिक्त पैसे वसूलते हैं। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ तहसील कार्यालय परिसर में ही होने के बावजूद इस पर प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि तहसीलदार के कार्यालय के आसपास ही यह कथित गोरखधंधा लंबे समय से संचालित हो रहा है, लेकिन इस पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि तहसील परिसर में बैठने वाले सभी अनाधिकृत व्यक्तियों की जांच कर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए, दस्तावेज लेखकों की अधिकृत शुल्क सूची प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित की जाए तथा स्टाम्प एवं शपथ पत्र के नाम पर हो रही कथित अवैध वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के प्रयासों से सड़क निर्माण के लिए 9.60 करोड़ रुपये की स्वीकृति

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती जिले के बलौदा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सिवनी से सुखरी कला तक सड़क निर्माण के लिए 9 करोड़ 60 लाख 31 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। यह स्वीकृति नेता प्रतिपक्ष डॉ.



चरणदास महंत जी के प्रयासों से मिलने की जानकारी जिला प्रतिनिधि ठाकुर गुलजार सिंह ने दी।

छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी 18 सितंबर 2026 के शासकीय आदेश के अनुसार, सिवनी से सुखरी कला मार्ग पर 4.46 किलोमीटर लंबी

स्थानीय लोगों को आने-जाने में सहूलियत मिलेगी तथा क्षेत्र में परिवहन व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। शासन ने निर्माण कार्य शुरू करने से पहले तकनीकी स्वीकृति, आवश्यक अनुमोदन और नियमानुसार निविदा प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

सोथ ही निर्माण की गुणवत्ता बनाए रखने और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने पर जोर दिया गया है। जिला प्रतिनिधि ठाकुर गुलजार सिंह के अनुसार, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत जी के प्रयासों से क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए यह महत्वपूर्ण स्वीकृति प्राप्त हुई है।

जिला स्तरीय मैराथन दौड़ का सफल आयोजन

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। सक्ती जिले में स्वास्थ्य, फिटनेस और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'सेवा संकल्प अभियान : 2026' के अंतर्गत एक भव्य जिला स्तरीय मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में जिले के प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस विशेष आयोजन में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक (एसपी), जिला पंचायत



के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) सहित विभिन्न स्थानीय जनप्रतिनिधि, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी और छात्र-छात्राएं एवं काफी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 12 में नेवता भोज

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। राष्ट्रीय पोषण माह सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शिवरीनारायण स्थित आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 12 में आंगन मिलन सेवा के तहत नेवता भोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती माताओं की गोद भराई, शिशुवती माताओं के बच्चों का अन्नप्राशन तथा आंगनबाड़ी आने वाले बच्चों को नेवता भोज कराया गया।



द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अतिथियों का सात, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। आयोजन के दौरान गर्भवती माताओं की गोद भराई की रस्म निभाई गई। उन्हें श्रीफल, पुष्पगुच्छ, सुहाग पेटारी एवं पोषण आहार देकर सम्मानित किया गया। वहीं शिशुवती माताओं के बच्चों का खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया गया।

आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले बच्चों को नेवता भोज के तहत भोजन कराया गया तथा उन्हें स्केच, मोम पेंसिल, रबर और कटर उपहार स्वरूप प्रदान किए गए।

बलरामपुर में खुलेगा एआई का नया रोजगार केंद्र

विश्व केसरी■

बलरामपुर (आफताब आलम)। जिले में रोजगार और आजीविका के क्षेत्र में डिजिटल तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। स्व-सहायता समूह की महिलाओं और शिक्षित ग्रामीण युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित आजीविका से जोड़ने के लिए जिला प्रशासन बलरामपुर-यमानुजगंज और प्रिन्सा एआई के बीच कॉमनविट डेटा एनोटेेशन सेंटर की स्थापना के लिए गैर-विनीत्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के साथ बलरामपुर डेटा लेबलिंग एवं एआई के लिए कॉमनविट डेटा एनोटेेशन सेंटर स्थापित करने वाला प्रदेश का पहला जिला बन गया है। कलेक्ट्रेट कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी, प्रिन्सा एआई के सीईओ डॉ. श्रीराम अय्यर, सीओओ अमिताभ राय चौधरी, सीटीओ विनीत कुमार झा सहित स्व-सहायता समूह की सदस्य सपना एवं अनुजा उपस्थित रहीं।



10 सीटों से शुरू होगा पायलट सेंटर – पायलट चरण में बलरामपुर में 10 सीटों वाला संचालन केंद्र शुरू किया जाएगा। केंद्र में एक समर्पित प्रशिक्षक और गुणवत्ता पर्यवेक्षक की व्यवस्था रहेगी। चयनित प्रतिभागियों को एआई साक्षरता, डिजिटल कौशल, डेटा लेबलिंग, इमेज एवं ऑब्जेक्ट टैगिंग, वर्गीकरण, सत्यापन और गुणवत्ता समीक्षा का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

सेवा संकल्प अभियान में 40 बच्चों को मिली शिक्षा सामग्री

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय, शिवरीनारायण में विद्या दान एवं शिक्षा सहयोग तथा वरिष्ठ नागरिकों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने के उद्देश्य से प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पंचायत शिवरीनारायण के अध्यक्ष राहुल थवाईत तथा अध्यक्षता पार्षद एवं जनभागीदारी सदस्य सतेन्द्र केवट ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पार्षद चेतन सोनी एवं ललित कश्यप उपस्थित रहे।



कार्यक्रम के दौरान अतिथियों के द्वारा 40 आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा सामग्री प्रदान कर सहयोग किया गया। साथ ही सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता के प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

मुख्य अतिथि राहुल थवाईत ने कहा कि आर्थिक अभाव के कारण किसी भी

बच्चे की शिक्षा प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा में सहयोग करने के लिए वे हमेशा तैयार रहेंगे। उन्होंने समाज के जनप्रतिनिधियों, नागरिकों एवं समाजसेवियों से भी जरूरतमंद बच्चों की सहायता के लिए आगे आने का आह्वान किया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री बी.के. देवांगन ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान विद्यार्थियों में संवेदना, सहयोग, सामाजिक जिम्मेदारी और मानवता के संस्कार विकसित करने का महत्वपूर्ण

माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्या दान केवल पुस्तक, कॉपी या शैक्षणिक सामग्री देना नहीं है, बल्कि किसी बच्चे के सपनों को उड़ान देने और उसके भविष्य को मजबूत बनाने का प्रयास है। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान का उपयोग समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए करें तथा अपने माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों को मोबाइल, इंटरनेट, ऑनलाइन भुगतान एवं विभिन्न शासकीय ऑनलाइन सेवाओं के सुरक्षित उपयोग की जानकारी देकर उन्हें डिजिटल रूप से आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करें।

शिवरीनारायण में मायापुर इस्कॉन थीम पर बनेगा 90 फीट ऊंचा भव्य पंडाल

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। छत्तीसगढ़ की प्रसिद्ध धार्मिक नगरी शिवरीनारायण में इस वर्ष दुर्गा पूजा उत्सव भव्य और आकर्षक रूप में मनाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। दुर्गा पूजा सेवा समिति एवं समस्त नगरवासियों के तत्वावधान में मेला ग्राउंड शिवरीनारायण में 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक विशेष दुर्गा पूजा एवं मेले का आयोजन किया जाएगा।



पंडाल के भीतर करीब 35 फीट ऊंची मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

कोलकाता के कारीगर देंगे पंडाल को भव्य रूप – पंडाल की आंतरिक सजावट के लिए कोलकाता से विशेष कारीगर बुलाए गए हैं। कारीगरों द्वारा लकड़ी एवं थर्माकोल की नक्काशी के माध्यम से पंडाल को आकर्षक रूप दिया जा रहा है। विशाल पंडाल के साथ आकर्षक विद्युत सज्जा और रोजाना लाइट शो भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेगा। आयोजन

के दौरान दर्शन-पूजन के साथ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। समिति द्वारा श्रद्धालुओं और नगरवासियों के लिए धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण तैयार करने की व्यापक तैयारियों की जा रही हैं।

11 से 20 अक्टूबर तक चलेगा आयोजन – दुर्गा पूजा एवं मेला 11 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक मेला ग्राउंड शिवरीनारायण में आयोजित होगा। आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों द्वारा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने का काम किया जा रहा है।

501 रुपए की दान राशि पर 'मां का उपहार' लकी ड्रॉ – दुर्गा पूजा सेवा समिति द्वारा इस वर्ष भक्तों के लिए 'मां का उपहार' लकी ड्रॉ योजना भी शुरू की गई है।



विश्व केसरी■

बलरामपुर/राजपुर (आफताब आलम)। वन परिक्षेत्र राजपुर के उप परिक्षेत्र बरियों अंतर्गत ग्राम परसवारकला के बड़ुखापारा में 29 सितंबर की रात जंगली हाथी के हमले में एक ग्रामीण की मृत्यु की घटना सामने आई। घटना के बाद वन मंडलाधिकारी आलोक कुमार

वाजपेयी के निर्देश पर वन विभाग का मैदानी अमला तत्काल सक्रिय हुआ और क्षेत्र में हाथियों की निगरानी के साथ ग्रामीणों को सतर्क करने की कार्रवाई तेज की गई।

जानकारी के अनुसार ग्राम परसवारकला निवासी सुटरुंग कौशिक पिता गोहन्दुल कौशिक, उम्र लगभग 53 वर्ष, 29 सितंबर की

रात करीब 7:05 बजे अपनी पुत्री के घर जाने के लिए निकले थे। महान नदी पार करने के बाद रास्ते में उनका सामना जंगली कबरा हाथी से हो गया। हाथी के हमले में उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना के बाद हाथी ग्राम रेवतपुर होते हुए जंगल की ओर चला गया।

घटना की सूचना मिलते ही हाथी प्रभावित क्षेत्र में निगरानी एवं जनजागरूकता कार्य में लगे वन कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। रात्रि होने के कारण 30 सितंबर की सुबह पुलिस द्वारा मौका पंचनामा एवं मर्ग इंटिमेशन की कार्रवाई की गई।

चिकित्सकों द्वारा मौके पर शव परीक्षण किए जाने के बाद शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया।

दुर्गूकोंदल जनपद में गुणवत्ता विहीन निर्माण पर सवाल

विश्व केसरी■

भानुप्रतापपुर (दीपक शर्मा)। दुर्गूकोंदल जनपद क्षेत्र के दोड़दे पंचायत में गुणवत्ताहीन निर्माण की जो तस्वीर सामने आई है, वह सरकारी पैसों की खुली डकैती की गवाही देती है। वहां 19.95 लाख रुपये की स्वीकृत पुलिया में ढलाई ऊपर और सरिया नीचे झूलता दिखाई दे रहा है। जब मामले पर एसडीओ देवेन्द्र हटिले से जवाब मांगा गया, तो उन्होंने बड़े ही ढिठाई से सारा ठीकरा इंजीनियर की अनुपस्थिति पर फोड़ दिया।

'इंजीनियर मौजूद नहीं था, इसलिए ठेकेदार ने ढलाई कर दी। निर्माण की गुणवत्ता ठीक नहीं है।' — एसडीओ



की मंशा पर: क्या सिर्फ 'गुणवत्ता खराब है' कह देने से मामला खत्म हो जाएगा? क्या उस घटिया और जर्जर पुलिया को तोड़कर ठेकेदार के खर्च पर दोबारा सही तरीके से बनाया जाएगा? जिम्मेदार इंजीनियर

पर एफआईआर कब? जो इंजीनियर अपनी एसी गाड़ियों से बाहर नहीं निकलते और पूरे निर्माण कार्य को ठेकेदारों की मनमर्जी पर छोड़ देते हैं, उन पर सिर्फ खानापूति वाली कार्रवाई क्यों? डीएमएफ

फंड का ऑडिट क्यों नहीं? 150 करोड़ के टीना शेड और बिन सड़क की 20-20 लाख वाली पुलिया की उच्च स्तरीय और निष्पक्ष जांच (CBI या न्यायिक जांच) क्यों नहीं कराई जा रही?

अवैध कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय IPS के निर्देशन में जिले में अवैध शराब पर अंकुश लगाने लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में नवागढ़ पुलिस द्वारा रेड कार्रवाही कर आरोपी राहुल दास मंहंत उम्र 20 साल निवासी मातिन थाना बांगो जिला कोरवा हाल ग्राम अमोदा को पकड़ा गया। जिसके कब्जे से अलग अलग पन्नी पाच में रखे 5.5 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद कर आकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजा उक्त कार्यवाही में निरीक्षक मणिगढ़ एवं थाना स्थाना प्रभारी नवागढ़ एवं थाना स्टेशन का सराहनीय योगदान रहा।

दूध के उचित दाम की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे दुग्ध उत्पादक

विश्व केसरी■

बहेराडीह (नीरज शर्मा)। जिले के दुग्ध उत्पादक किसानों ने दूध के उचित मूल्य की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। दुग्ध उत्पादकों ने गाय के दूध का मूल्य 60 रुपये प्रति लीटर तथा भैंस के दूध का मूल्य 80 रुपये प्रति लीटर निर्धारित किए जाने की मांग की। दुग्ध उत्पादक गोल्ड यादव व उनके साथियों का कहना है कि वर्तमान समय में पशुपालन की लागत लगातार बढ़ रही है। पशुओं के लिए दाना, हरा चारा और सूखा चारा खरीदने में बड़ी राशि खर्च हो रही है। इसके अलावा पशुओं की



देखभाल, उपचार, टीकाकरण तथा अन्य खर्च भी पशुपालकों को उठाना पड़ता है। इन सभी खर्चों को जोड़ने के बाद दूध की बिक्री से मिलने वाली राशि पर्याप्त नहीं हो रही है। पशुपालकों ने कहा कि दूध उत्पादन में जितनी लागत आ रही है, उसके अनुपात में उन्हें उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। इससे छोटे और सीमांत दुग्ध उत्पादकों के सामने

पशुपालन को लाभकारी बनाए रखने की चुनौती बढ़ती जा रही है। दुग्ध उत्पादकों का कहना है कि पशुपालन ग्रामीण परिवारों की आय का महत्वपूर्ण साधन है। यदि दूध का उचित मूल्य मिले तो पशुपालक बेहतर तरीके से पशुपालन कर सकेंगे और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

सेंसेक्स और निफ्टी में 0.42 प्रतिशत तक की गिरावट

विश्व केसरी■

मुंबई। अमेरिकी और ईरान के बीच सुलह की उम्मीदें धूमिल होने के कारण तेल की कीमतों में उछाल आने से हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय शेयर बाजार में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट दर्ज की गई। फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में गिरावट के कारण प्रमुख बेंचमाकों, निफ्टी50 और सेंसेक्स, ने अपनी दिन की बढ़त खो दी।

इस दौरान, सेंसेक्स 48.78 अंक यानी 0.07 प्रतिशत गिरकर 72,480.29 पर आ गया, तो वहीं निफ्टी50 95.75 अंक यानी 0.42 प्रतिशत गिरकर 22,620.45 पर पहुंच गया। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.02 प्रतिशत और 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी मीडिया में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी



हेल्थकेयर, निफ्टी फार्मा, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरैबल और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

निफ्टी50 इंडेक्स में अपोलो हॉस्पिटल्स, मैक्स हेल्थकेयर और बीएसई सबसे ज्यादा नुकसान

उठाने वाले शेयरों में शामिल रहे। इसके अलावा, नेस्ले इंडिया, सन फार्मा, सिफ्टा और इटरनल के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, इसके विपरीत, कोटक बैंक, इंडिगो, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एक्सिस

बैंक और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज की गई। एक मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि ऊंचे लेवल पर प्रॉफिट बुकिंग और उसके बाद तेल की कीमतों में उछाल के कारण रिलीफ रैली की रफ्तार धीमी पड़ गई है। ग्लोबल

वित्त मंत्री सीतारमण से चर्चा बाद व्यापारियों ने वापस लिया ‘नो यूपीआई डे’ का आह्वान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ हुई बैठक के बाद 2 अक्टूबर को प्रस्तावित ‘नो यूपीआई डे’ के आह्वान को वापस ले लिया है। यह फैसला राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को हुई बैठक के बाद लिया गया, जिसमें व्यापारिक समुदाय ने 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेट यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत शुल्क को लेकर अपनी चिंताएं सरकार के सामने रखीं।

बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 20 व्यापार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। प्रतिनिधिमंडल ने नेतृत्व चांदनी चौक से सांसद और कम्पेडेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने किया। व्यापारियों ने कहा कि प्रस्तावित शुल्क से छोटे और मध्यम कारोबारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ सकता है और डिजिटल भुगतान को अपनाने की रफ्तार प्रभावित हो



सकती है। प्रतिनिधियों ने सरकार से प्रस्तावित शुल्क को लेकर स्पष्टता मांगी और आग्रह किया कि इस निर्णय पर अमल से पहले व्यापारिक समुदाय की चिंताओं को ध्यान में रखा जाए। इससे पहले ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स फेडरेशन और ऑल इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन ने शुल्क के विरोध में 2 अक्टूबर को ‘नो यूपीआई डे’ मनाने की घोषणा की थी। हालांकि, वित्त मंत्री के साथ चर्चा के बाद दोनों संगठनों ने अपना विरोध कार्यक्रम वापस लेने का फैसला किया। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में प्रवीण

खंडेलवाल ने कहा कि सरकार के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संवाद हुआ तथा व्यापारियों को चिंताओं पर उचित विचार किया जाएगा। प्रवीण खंडेलवाल ने इंडिया मोबाइल रिटेलर्स एसोसिएशन (एआईएमआरए), ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन (एआईसीपीडीएफ) और ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन (एआईजेजीएफ) सहित कई प्रमुख व्यापारिक संगठन शामिल थे।

सरकार ने वाहन निर्माताओं के लिए कैफे-3 नियमों को अधिसूचित किया, ईवी इंसेंटिव को रखा बरकरार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सरकार ने वाहन निर्माताओं के लिए बुधवार को नए कॉर्पोरेट एवरेज पयुल इकोनॉमी (कैफे-3) नियमों को अधिसूचित कर दिया है। साथ ही, इसमें छोटी पेट्रोल कारों के लिए प्रस्तावित अलग रियायत को हटा दिया गया है।

विद्युत मंत्रालय की ओर से अधिसूचित किए गए नियम अप्रैल 2027 से लागू होंगे और मार्च 2032 तक प्रभावी रहेंगे।

हालांकि, केंद्र सरकार ने पिछले साल 909 किलोग्राम तक वजन वाली पेट्रोल कारों के लिए प्रति किलोमीटर 3 ग्राम की छूट का प्रस्ताव दिया था। कई प्रमुख कार निर्माताओं ने इस छूट का विरोध किया।

इसके अलावा, अंतिम नियमों में 909 किलोग्राम से कम वजन वाली कारों के लिए कोई अलग छूट नहीं दी गई है।

इसके बजाय, सरकार ने निर्माता के पूरे फलीट के कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन लक्ष्य की गणना करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फॉर्मूले में बदलाव किया है।

सितंबर 2025 के ड्राफ्ट में रेफरेंस गाड़ी का वजन 1,170 किलोग्राम से बढ़ाकर 1,229

किलोग्राम कर दिया गया था। वहीं, फाइनल नियमों में सालाना वजन एडजस्टमेंट भी कम रखा गया है।

इन बदलावों से हल्की गाड़ियों के बेड़े को कुछ राहत मिलती है, जबकि भारी गाड़ियों के बेड़े के लिए लक्ष्य कड़े कर दिए गए हैं।

फाइनल फॉर्मूले के तहत, 909 किलोग्राम की कार के लिए वित्त वर्ष 28 में उत्सर्जन का लक्ष्य लगभग 82.8 ग्राम सीओ2 प्रति किलोमीटर है, जबकि सितंबर 2025 के ड्राफ्ट

में यह लक्ष्य लगभग 76 ग्राम था। लेकिन 2,500 किलोग्राम की गाड़ी के लिए, फाइनल फाइनल फॉर्मूले के तहत लक्ष्य लगभग 142.4 ग्राम है, जबकि पहले वाले फॉर्मूले में यह लगभग 151.4 ग्राम था। इसके अलावा, कैफे-3 के फाइनल नियमों में सुपर-क्रेडिट सिस्टम के जरिए स्वच्छ ईंधन वाले वाहनों के लिए इंसेंटिव भी रखे गए हैं। किसी भी वाहन निर्माता के फलीट प्रदर्शन की गिनती करते समय एक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन को तीन वाहनों के बराबर माना जाएगा।

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने बुधवार को दिल्ली के लिए 1,789.52 करोड़ रुपए के इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट (आईटीएमएस) प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य दिल्ली में ट्रैफिक प्रवाह, सड़क सुरक्षा और शहरी मोबिलिटी में सुधार करना है।

दिल्ली पुलिस द्वारा लागू किए जाने वाले इस प्रोजेक्ट में 42 चिह्नित ट्रैफिक कॉरिडोर शामिल होंगे और इसे 24 महीनों की अवधि में तीन चरणों में शुरू किया जाएगा।

यह पहल शहर में ट्रैफिक मैनेजमेंट और ट्रांसपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने के लिए केंद्र और दिल्ली सरकार के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है।

आईटीएमएस दिल्ली के रोड नेटवर्क को बेहतर ढंग से मैनेज करने के लिए रियल-टाइम ट्रैफिक



डेटा, अडैप्टिव ट्रैफिक सिग्नल, ऑटोमेटेड एनफोर्समेंट सिस्टम और इंटीग्रेटेड कमांड-एंड-कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल करेगा।

यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब शहर में ट्रैफिक का दबाव बढ़ रहा है और अभी सड़कों पर लगभग 71 लाख एक्टिव रजिस्टर्ड गाड़ियां चल रही हैं।

सरकार के मुताबिक, दिल्ली में गाड़ियों की संख्या में बढ़ोतरी, सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार की तुलना में बहुत ज्यादा रही है, जबकि ट्रैफिक मैनेजमेंट अभी भी काफी हद तक तय सिग्नल टाइमिंग और

मैन्युअल दखल पर निर्भर है।

यह नया सिस्टम सड़क की क्षमता का बेहतर इस्तेमाल करने के लिए बनाया गया है, ताकि ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम रियल टाइम की स्थितियों के हिसाब से तुरंत बदलाव कर सके।

इस प्रोजेक्ट की एक खास बात ‘अडैप्टिव ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम’ को लागू करना है। यह सिस्टम ट्रैफिक के बहाव के आधार पर सिग्नल की टाइमिंग को अपने-आप एडजस्ट करेगा और भीड़-भाड़ व देरी को कम करने के लिए मुख्य रास्तों पर सिग्नल के बीच

तालमेल बिठाएगा।

यह सिस्टम भीड़-भाड़ वाले रास्तों पर ‘ग्रीन कॉरिडोर’ बनाकर एम्बुलेंस और दूसरी इमरजेंसी गाड़ियों के लिए प्राथमिकता से आवाजाही की सुविधा भी देगा।

सरकार का कहना है कि इस टेक्नोलॉजी से ट्रैफिक जाम, दुर्घटनाओं और सड़क पर होने वाली दूसरी घटनाओं का जल्दी पता चल सकेगा, जिससे दिल्ली पुलिस सही कदम उठा सकेगी और ट्रैफिक डायवर्जन को बेहतर ढंग से मैनेज कर पाएगी।

यात्रियों को ‘वेरिफबल मैसेज साइन बोर्ड’ और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए ट्रैफिक की स्थिति, डायवर्जन और पार्किंग को लागू करना है। यह सिस्टम ट्रैफिक के बहाव के आधार पर सिग्नल की टाइमिंग को अपने-आप एडजस्ट करेगा और भीड़-भाड़ व देरी को कम करने के लिए जा सकते हैं।

कन्याकुमारी में गर्मी के कारण लेटेक्स का उत्पादन घटा, रबर की कीमतें बढ़ीं

विश्व केसरी■

नागरकोइल। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में रबर की बढ़ती कीमतों ने किसानों के चेहरे पर खुशी ला दी है। हालांकि, सितंबर की गर्मी के कारण लेटेक्स का उत्पादन कम हुआ है और बाजार में आई तेजी का पूरा फायदा किसानों को नहीं मिल पाया है।

कन्याकुमारी और पड़ोसी राज्य केरल में सप्लाई की कमी के बीच कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। व्यापारी बाजार में मजबूती बनाए रखने के लिए लगातार बनी हुई इंडस्ट्रियल डिमांड को भी एक वजह मान रहे हैं।

किसानों ने बताया कि गर्मी की वजह से पिछले दो हफ्तों में कन्याकुमारी में लेटेक्स का उत्पादन 30 प्रतिशत तक गिर गया है। अच्छी कीमतों के बावजूद, इस गिरावट का असर बिक्री के लिए उपलब्ध मात्रा पर पड़ा है।

जिले के पहाड़ी इलाकों में कभी-कभी हुई हल्की बारिश से कुछ राहत मिली है, जिससे लेटेक्स के उत्पादन में थोड़ी रिकवरी हुई है। हालांकि, यह सुधार उत्पादन में कमी के दौर के बाद आया है।

मंगलवार को कोट्टायम बाजार में आरएसएस-4 रबर की डीलर कीमत 271 रुपये प्रति किलोग्राम थी, जबकि आरएसएस-5 की कीमत 266 रुपये प्रति किलोग्राम रही। आईएसएस-ग्रेड रबर की कीमत 256 रुपये प्रति किलोग्राम बताई गई।

रबर बोर्ड की ओर से जारी कीमतें डीलर कोटेशन से अधिक थीं। बोर्ड के अनुसार आरएसएस-



4 की दर 279 रुपये प्रति किलोग्राम और आरएसएस-5 की दर 274 रुपये प्रति किलोग्राम थी। 80 प्रतिशत प्रोसेस्ड लेटेक्स की कीमत 191 रुपये प्रति किलोग्राम बताई गई।

कन्याकुमारी के रबर किसानों ने कीमतों में इस बढ़ोतरी का स्वागत किया है। फिर भी, उनकी कमाई मिलने वाली कीमत और लेटेक्स के उत्पादन की मात्रा, दोनों पर निर्भर करती है, इसलिए उत्पादन में हालिया गिरावट चिंता का विषय है। कुलशेखरम के एक रबर व्यापारी ने कहा कि बाजार पर सिंथेटिक रबर से जुड़ी घटनाओं और घरेलू स्तर पर प्राकृतिक रबर के उत्पादन और खपत के बीच के अंतर का असर पड़ा है।

उन्होंने सिंथेटिक रबर की कीमतों में पहले हुई बढ़ोतरी की वजह अमेरिका और ईरान के बीच तेल के अस्थिरता को होने वाली कच्चे तेल की सप्लाई में

रुकावट को बताया। उन्होंने कहा कि चूंकि सिंथेटिक रबर पेट्रोलियम से बनता है, इसलिए लागत बढ़ने से प्राकृतिक रबर की कीमतें भी बढ़ी हैं।

व्यापारी ने आगे कहा कि हालांकि कच्चे तेल का आयात स्थिर हो गया, लेकिन रबर की कीमतें बढ़ती रहीं।

उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में बढ़ोतरी से रबर की मांग बढ़ी है, जबकि घरेलू उत्पादन जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी नहीं है। इस असंतुलन की वजह से कीमतें ऊंची बनी हुई हैं।

उन्होंने कहा कि अगर उत्पादन और मांग के बीच का अंतर कम होता है, तो कीमतें नरम हो सकती हैं। फिलहाल, किसानों को बेहतर कीमतों का फायदा मिल रहा है और वे यह देख रहे हैं कि क्या असामान्य रूप से गर्म मौसम के बाद बारिश से लेटेक्स के उत्पादन में लगातार सुधार होता है या नहीं।

भारत के मैनुफैक्चरिंग सेक्टर का प्रदर्शन मजबूत औद्योगिक उत्पादन 7.81 प्रतिशत बढ़ा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत के मैनुफैक्चरिंग सेक्टर का प्रदर्शन लगातार मजबूत बना हुआ है और वित्त वर्ष 25 में औद्योगिक उत्पादन सालाना आधार पर 7.81 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, इस दौरान रोजगार में 7.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। यह जानकारी बुधवार को सरकार द्वारा जारी ‘उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण’ (एसएसआई) के आंकड़ों में दी गई।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 25 में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में प्रतिष्ठानों की संख्या बढ़कर 2.67 लाख हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 24 में 2.60 लाख थी।

सबसे ज्यादा प्रतिष्ठानों की संख्या तमिलनाडु में 41,221 थी। इसके बाद 33,084 के साथ गुजरात दूसरे और 27,379

के साथ महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर था।

रोजगार के मामले में तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश और हरियाणा देश के टॉप 5 राज्य बनकर उभरे हैं। 2024-25 में देश के कुल मैनुफैक्चरिंग रोजगार में इनकी हिस्सेदारी 56 प्रतिशत से ज्यादा रही



है। टॉप पांच इंडस्ट्रीज - बेसिक मेटल्ल्स, मोटर गाड़ियां, केमिकल और केमिकल प्रोडक्ट्स, फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट्स और फूड प्रोडक्ट्स - ने मिलकर 2024-25 के दौरान देश के कुल मैनुफैक्चरिंग जीवीए में 45 प्रतिशत से ज्यादा का योगदान दिया है।

एलपीजी से यूपीआई तक अक्टूबर में होने वाले हैं बदलाव

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। अक्टूबर का महीना शुरू होने के साथ ही कई ऐसे बदलाव लागू होने वाले हैं, जिनका आपकी जेब पर सीधा असर हो सकता है। इसमें बैंकिंग, यूपीआई, टैक्स, एलपीजी और एनपीएस से जुड़े नियम शामिल हैं।

अगले महीने होने वाले प्रमुख बदलावों में से एक नया यूपीआई एमडीआर (मर्चेट डिस्काउंट रेट) फ्रेमवर्क है, जो 2,000 रुपए से अधिक के मर्चेट लेनदेन पर लागू होगा। हालांकि, ग्राहकों से एमडीआर नहीं लिया जाएगा और व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) यूपीआई लेनदेन पहले की तरह मुफ्त रहेगा।

इसके अलावा, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने असेसमेंट ईयर 2026-27 के लिए टैक्स ऑडिट प्रावधानों के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए कुछ महत्वपूर्ण समयसीमाएं बढ़ा दी हैं। टैक्स ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समयसीमा 30 सितंबर से



रिफिल बुक करने के लिए आधार बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। जो उपभोक्ता यह प्रक्रिया पूरी नहीं करेंगे, उन्हें एलपीजी पर सब्सिडी नहीं मिलेगी। वहीं, देश के सबसे बड़े बैंक भारतीय

स्टेट बैंक (एसबीआई) ने एक अक्टूबर से सेलरी पैकेज अकाउंट धारकों के लिए अन्य बैंकों के एटीएम से हर महीने मुफ्त लेनदेन की सीमा 10 से घटाकर पांच कर दी है। यह सीमा वित्तीय और गैर-वित्तीय, दोनों तरह के लेनदेन पर लागू होगी।

बेसिक सेविंग्स बैंक डिपॉजिट (बीएसबीडी) खातों के लिए महीने में चार नकद निकासी मुफ्त जारी रहेंगी। इसके बाद 15 रुपए सहित जीएसटी शुल्क लिया जाएगा। 1 अक्टूबर से गैर-निवासी विक्रेताओं से संपत्ति खरीदने वाले निवासी व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) को लागू टीडीएस अनुपालन के लिए अलग से टीएएन की आवश्यकता नहीं होगी और वे पैन का इस्तेमाल कर सकेंगे। इसी तरह, संशोधित एनपीएस प्लांट ऑफ प्रेजेंस (पीओपी) शुल्क ढांचा भी लागू होगा। इसमें प्रत्येक पीआरएएन के लिए 200 रुपए का एकमुश्त ऑनबोर्डिंग शुल्क शामिल है।

गुस्से में बच्चा उठाता है हाथ? पेरेंट्स अपनाएं ये आसान तरीके, वरना आदत और बढ़ सकती है



बच्चे के गुस्से में हाथ उठाने पर पेरेंट्स को खुद शांत रहना चाहिए और उसे वापस नहीं मारना चाहिए. गुस्सा शांत होने पर बच्चे को भावनाएं शब्दों में बताना सिखाएं. सुरक्षित गतिविधियों की मदद से उसका ध्यान भी बदला जा सकता है.

जब बच्चा अपनी बात मनवाने के लिए अचानक हाथ उठा देता है तो माता-पिता समझ नहीं पाते कि उसे कैसे रोकें. कई बार बच्चा गुस्से

में माता-पिता, भाई-बहन या घर के किसी दूसरे सदस्य को मारने लगता है. कुछ बच्चे काटने या बाल खींचने जैसी हरकत भी करने लगते हैं. ऐसी स्थिति में पेरेंट्स का परेशान होना स्वाभाविक है, लेकिन बच्चे के इस व्यवहार को रोकने के लिए तुरंत डांटना या उसे वापस मारना सही तरीका नहीं माना जाता.

बच्चे अक्सर अपनी भावनाओं को शब्दों में ठीक से नहीं बता पाते और उनका गुस्सा शारीरिक व्यवहार

के रूप में सामने आ सकता है. सर्टिफाइड चाइल्ड थेरेपिस्ट और पेरेंटिंग काउंसलर प्रनव ने ऐसे व्यवहार से निपटने के कुछ तरीके बताए हैं, जिन्हें पेरेंट्स समझ सकते हैं.

बच्चे के हाथ उठाने पर पेरेंट्स क्या करें?

बच्चे के मारने की आदत को बदलने में सबसे जरूरी बात है कि पेरेंट्स अपनी प्रतिक्रिया पर ध्यान दें. गुस्से के समय बच्चे को शांत करना

आसान नहीं होता. फिर भी अगर हर बार स्थिति बिगड़ने पर माता-पिता भी तेज आवाज में जवाब देंगे तो बच्चा उस व्यवहार को और ज्यादा दोहरा सकता है. इसलिए ऐसे समय में पहले खुद शांत रहने की कोशिश करें.

1. तुरंत गुस्से में प्रतिक्रिया न दें

अगर बच्चा गुस्से में मारने या काटने की कोशिश करता है तो उस समय उस पर चिल्लाने से बचें. बच्चे को यह समझने के लिए थोड़ा समय दें कि वह क्या कर रहा है. जरूरत लगे तो कुछ पल के लिए उससे दूरी बनाई जा सकती है. इसका मतलब यह नहीं है कि बच्चे की हरकत को नजरअंदाज कर दिया जाए. बल्कि पहले स्थिति को शांत करना जरूरी है. जब बच्चा थोड़ा सामान्य हो जाए तो उसके व्यवहार पर बात करना ज्यादा आसान हो सकता है.

2. बच्चे को वापस मारने से बचें

बच्चे ने हाथ उठाया है तो उसके जवाब में उसे मारना समस्या को बढ़ा सकता है. इससे बच्चे को यह संदेश मिल सकता है कि गुस्से में मारना स्वीकार्य व्यवहार है, अगर घर में बड़े व्यक्ति गुस्से में हाथ उठाते हैं तो बच्चा भी उसी व्यवहार की नकल कर सकता है. इसलिए बच्चे को रोकते समय शांत लेकिन स्पष्ट

रहें. उसे बताएं कि किसी को चोट पहुंचाना ठीक नहीं है. सीमा तय करना जरूरी है, लेकिन उसे मारकर सिखाना सही तरीका नहीं होगा.

गुस्से के समय बच्चे को दूसरा विकल्प दें

छोटे बच्चों के लिए गुस्सा, निराशा या अपनी बात न माने जाने की भावना को शब्दों में बताना मुश्किल हो सकता है. ऐसे में उनका व्यवहार हाथ उठाने, चीजें फेंकने या किसी को काटने के रूप में सामने आ सकता है.

3. ध्यान को सुरक्षित गतिविधि की ओर मोड़ें

जब बच्चा बहुत गुस्से में हो तो उसका ध्यान किसी सुरक्षित गतिविधि की तरफ मोड़ने की कोशिश की जा सकती है. उदाहरण के लिए उसे सॉफ्ट बॉल दबाने, तकिया पकड़ने या घर में मौजूद छोटे पॉचिंग बैग पर हाथ मारने जैसी गतिविधि दी जा सकती है. यहां ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि बच्चे को किसी दूसरे व्यक्ति को चोट पहुंचाने के बजाय अपनी बेचैनी को सुरक्षित तरीके से संभालने का विकल्प मिले. हर बच्चे पर एक ही तरीका काम करे, यह जरूरी नहीं है. पेरेंट्स बच्चे के स्वभाव के हिसाब से विकल्प चुन सकते हैं।

लटके पेट का करना है पर्मानेंट इलाज, रोज करें उत्तानपादासन, सूखने लगेगी चर्बी

योग आपकी बाँड़ी को सिर्फ फिट ही नहीं बनाता, बल्कि आपके मन को स्ट्रेस से भी फ्री करता है. इसलिए योग मोटापा से लड़ने का सबसे अच्छा तरीका बताया जाता है. ऐसे में यदि आप अपने पेट के पास जमा चर्बी के लिए उपाय करना चाहते हैं तो उत्तानपादासन आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है.

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिट और स्वस्थ रहना हर किसी की जरूरत बन गया है. लंबे समय तक बैठकर काम करना, अनियमित खानपान और तनाव भरी जीवनशैली के कारण लोगों में मोटापा, गैस, कब्ज और थकान जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं. ऐसे में योग एक नेचुरल और प्रभावी तरीका माना जाता है, जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है.

योग में कई ऐसे आसन हैं, जो अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं के लिए फायदेमंद माने जाते हैं. इन्हीं में से एक है उत्तानपादासन. ये एक सरल लेकिन प्रभावशाली योगासन है, जिसे नियमित रूप से करने पर पेट की मांसपेशियां मजबूत हो सकती हैं और शरीर में ऊर्जा का स्तर बेहतर हो सकता है. आइए जानते हैं कि उत्तानपादासन क्या है और इससे शरीर को कौन-कौन से लाभ मिल सकते हैं?

क्या है उत्तानपादासन ?
उत्तानपादासन हठयोग का एक



महत्वपूर्ण आसन है. संस्कृत में 'उत्तान' का अर्थ होता है ऊपर उठा हुआ और 'पाद' का मतलब पैर होता है. इस आसन में व्यक्ति पीठ के बल लेटकर अपने दोनों पैरों को जमीन से ऊपर उठाता है. यह अभ्यास शरीर के संतुलन और पेट के निचले हिस्से पर विशेष प्रभाव डालता है.

उत्तानपादासन के फायदे

उत्तानपादासन का असर मुख्य रूप से पेट और नाभि के आसपास के हिस्से पर पड़ता है. नियमित अभ्यास से पाचन क्रिया बेहतर हो सकती है. यह गैस, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में सहायक माना जाता है.

ये योगासन पेट की मांसपेशियों पर काम करता है, जिससे उन्हें मजबूती मिलती है. साथ ही यह पेट

के आसपास जमा अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी मददगार माना जाता है. यही वजह है कि वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोग इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं.

उत्तानपादासन केवल पेट तक सीमित नहीं है. यह जांघों और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी मांसपेशियों को भी मजबूत बनाने में मदद करता है. नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन और संतुलन बेहतर हो सकता है.

इस आसन को करते समय सांसों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे मन शांत रहता है. यह तनाव, चिंता और मानसिक थकान को कम करने में मदद कर सकता है. कई लोगों को इसके अभ्यास के बाद अधिक ऊर्जा और सकरात्मकता महसूस होती है।

पकोड़े क्यों पी जाते हैं ज्यादा तेल? जानिए क्रिस्पी पकोड़े बनाने का सही तरीका



क्रिस्पी और कम तेल वाले पकोड़े बनाने के लिए घोल को हमेशा गाढ़ा रखें, तेल का तापमान सही हो, एक साथ ज्यादा न तलें, बैटर को 10-15 मिनट रखें और बेसन में चावल का आटा मिलाएं. इन तरीकों से आपके पकोड़े एकदम परफेक्ट और क्रिस्पी बनेंगे.

बारिश का मौसम हो या शाम की चाय, गरमा-गरम पकोड़ों का स्वाद हर किसी को पसंद आता है. लेकिन कई बार पकोड़े इतना तेल सोख लेते हैं कि उनका स्वाद खराब हो जाता है और वे भारी भी लगने लगते हैं. दरअसल, पकोड़े बनाने समय की गई कुछ छोटी-छोटी गलतियां ही इसकी वजह होती हैं. यदि सही तकनीक अपनाई जाए तो पकोड़े बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम बनते हैं, साथ ही कम तेल भी सोखते हैं. तो चलिए जानते हैं इनको बनाने समय कुछ खास सावधानियां.

बहुत पतला घोल बनाना
कई लोग बेसन का घोल बहुत पतला बना लेते हैं. पतला बैटर तेल में जाने पर ज्यादा तेल सोखता है और पकोड़े नरम हो जाते हैं. पकोड़ों के लिए घोल इतना गाढ़ा होना चाहिए कि वह सब्जियों पर अच्छी तरह चिपक जाए.

तेल का सही तापमान न होना
अगर तेल पर्याप्त गर्म नहीं है तो पकोड़े तलते समय ज्यादा तेल सोख लेते हैं. वहीं बहुत ज्यादा गर्म तेल में पकोड़े ऊपर से जल जाते हैं और अंदर से कच्चे रह जाते हैं. पकोड़े तलने के लिए तेल मध्यम से तेज गर्म होना चाहिए।



बाहर से क्रिस्पी और अंदर से परतदार, घर पर ऐसे बनाएं कर्नाटक की फेमस चिरोटे मिठाई, जलेबी-गुलाब जामुन से अलग है इसका स्वाद

कर्नाटक की चिरोटे एक परतदार और कुरकुरी मिठाई है, जिसे मैदा, सूजी और घी से तैयार किया जाता है. कॉर्नफ्लोर की मदद से परतें बनाई जाती हैं और तलने के बाद इसे इलायची वाली चाशनी में डुबोया जाता है. पिस्ता से सजाकर इसे परोसा जाता है. कभी-कभी मिठाई में वही स्वाद सबसे ज्यादा पसंद आता है जो रोज की जलेबी, गुलाब जामुन या रसगुल्ले से थोड़ा अलग हो. अगर आपको कुरकुरी और परतदार मिठाइयां पसंद हैं तो कर्नाटक की पारंपरिक चिरोटे आपके लिए दिलचस्प विकल्प हो सकती हैं. पहली नजर में यह छोटी सी कुरकुरी पूरी जैसी दिखती है, लेकिन काटने पर इसकी कई पतली परतें दिखाई देती हैं.

इसे चीनी की चाशनी में डुबोकर तैयार किया जाता है, जिससे हर निवाले में मिठास और कुरकुरापन साथ मिलता है. कर्नाटक में इसे खास मौकों पर बताने की परंपरा रही है. घर घर इसे बनाने में सबसे ज्यादा ध्यान परतें तैयार करने और तलने के तरीके

पर देना पड़ता है. कर्नाटक की चिरोटे मिठाई क्यों है खास
चिरोटे की सबसे खास बात इसका टेक्सचर है. इसमें मैदा और बारीक सूजी से आटा तैयार किया जाता है. फिर घी और कॉर्नफ्लोर के मिश्रण की मदद से कई परतें बनाई जाती हैं. जब इस तैयार रोल को छोटे टुकड़ों में काटकर बेला जाता है और गर्म तेल में तला जाता है तो परतें अलग-अलग दिखाई देने लगती हैं. तलने के बाद चिरोटे को हल्की गर्म चाशनी में डुबोया जाता है. चाशनी में हरी इलायची डालने से मिठाई में हल्की खुशबू भी आती है. ऊपर से पिस्ता पाउडर डालने पर इसका स्वाद और लुक दोनों बेहतर हो जाते हैं.

चिरोटे बनाने के लिए क्या चाहिए
आटा तैयार करने के लिए तीन-चौथाई कप मैदा, एक-तिहाई कप बारीक सूजी, एक चुटकी नमक, एक बड़ा चम्मच गर्म घी और करीब एक-तिहाई कप पानी चाहिए. तलने और ग्रीसिंग के लिए तेल रखें. चाशनी के लिए दो कप चीनी, एक कप पानी, दो से तीन कुटी हुई हरी इलायची और एक से दो बड़े चम्मच दूध लें. परतों के लिए दो बड़े चम्मच घी और आधा कप कॉर्नफ्लोर चाहिए. सजाने के लिए पिस्ता पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं.

Chirote Recipe बनाने का आसान तरीका

पहले तैयार करें आटा और चाशनी
एक बर्तन में मैदा, सूजी और नमक मिलाएं. इसमें गर्म घी डालकर हाथों से अच्छी तरह मिलाएं. धीरे-धीरे पानी डालते हुए ऐसा आटा गूथें जो न बहुत सख्त हो और न ज्यादा नरम. इसे ढक्कर 10 से 15 मिनट के लिए रख दें. अब एक पैन में चीनी और पानी डालकर पकाएं. इसमें कुटी हुई इलायची डालें. चीनी घुलने के बाद दूध डालें. ऊपर आने वाले झाग को चम्मच से निकाल दें. चाशनी को पकाकर एक तार की चाशनी जैसी स्थिरता तक लाएं और गैस बंद कर दें. परतें बनाने पर दें खास ध्यान
एक कटोरी में घी लेकर उसे फेंटें. इसमें थोड़ा-थोड़ा कॉर्नफ्लोर मिलाते जाएं. इससे चिकना और गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाएगा. आटे को तीन बराबर हिस्सों में बांटकर लोथ्र्या बनाएं. हर लोई को पतली चपाती की तरह बेलें. पहली चपाती पर घी और कॉर्नफ्लोर का पेस्ट लगाएं. इसके ऊपर दूसरी चपाती रखें और फिर पेस्ट लगाएं. तीसरी चपाती रखने के बाद उस पर भी पेस्ट फैलाएं. अब तीनों परतों को हल्का बेलें और कसकर रोल करते हुए सिलेंडर का आकार दें।

पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या राय का अनस्टॉपेबल एलिगेंस, सिर पर ताज और ब्लैक वेलवेट गाउन में रन वे पर बिखेरा हुस्न का जादू



पेरिस फैशन वीक 2026 में ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने शाही रॉयल अंदाज से महफिल लुट ली! ब्लैक वेलवेट फिशटेल् गाउन, क्रिस्टल केप और सिर पर सजा ताज—एक्ट्रेस का यह ड्रामेटिक और अनस्टॉपेबल एलिगेंस वाला लुक सोशल मीडिया पर छा गया है। एफिल टावर के बैकग्राउंड में उनका यह रॉयल अवतार किसी परीकथा से कम नहीं लग रहा था।

फैशन की दुनिया में जब भी रॉयल्टी, ग्रेस और अनस्टॉपेबल एलिगेंस की बात होती है, तो सबसे पहला नाम बॉलीवुड की डीवा ऐश्वर्या राय बच्चन का आता है. एक बार फिर इस ग्लोबल आइकॉन ने अपने अंदाज से पूरी दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया है. पेरिस फैशन वीक 2026 के मंच पर ऐश्वर्या ने अपनी ऐसी मौजूदगी दर्ज कराई, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है. एफिल टावर की शाइनी बैकड्रॉप और ओपन-एयर रनवे पर उनका यह अवतार किसी परीकथा से कम नहीं लग रहा था.

पेरिस फैशन वीक के दौरान सोमवार, 28 सितंबर 2026 को प्लेस जोफ्रे में लॉरियल पेरिस के आइकॉनिक 'ले डेफिल' शो का आयोजन किया गया था. इस स्टार-स्टड इवेंट में दुनिया भर के कई जाने-माने इंटरनेशनल स्टार्स ने शिरकत की.

इस साल के बेहद सशक्त और प्रेरणादायक थीम 'एक्सप्रेस योर वर्थ' के तहत ऐश्वर्या राय बच्चन ने रनवे पर वॉक किया और महफिल लुट ली. इस भव्य मंच पर ऐश्वर्या के अलावा सिमोन एशली, सेलीन डियोन, ईवा लॉनगोरिया, केंडल जेनर, कारा डेलेविन, जेन फोंडा और एंडी मैकडॉवेल जैसी कई इंटरनेशनल हस्तियां भी शामिल थीं।

भारत की सबसे साफ नदी कौन-सी है? कांच की तरह दिखता है पानी, बोटिंग लिए उमड़ती है भीड़, देखें फोटोज

देश की लगभग आधी नदियां प्रदूषित हैं, जिसका पानी साफ और पारदर्शी नहीं बल्कि काला नजर आता है. ऐसे में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास डावकी कस्बे में बहने वाली नदी का दृश्य दिल खुश कर देता है. इसे भारत की सबसे साफ नदी भी कहा जाता है.

मेघालय राज्य में बहने वाली उमंगोट नदी में सिर्फ पानी नहीं बल्कि देश की उन नदियों की सच्चाई का स्वरूप दिखता है, जिसमें प्रदूषण के कारण काला पानी बहता है. भारत की सबसे साफ नदी के नाम से पहचानी जानी वाली उमंगोट नदी को डावकी नदी के नाम से जाना जाता है. इसका पानी इतना साफ है, कि इसमें बोटिंग करते वक्त ऐसा प्रतीत होता है जैसे कांच पर तैर रहे हो.

इस नदी में आप बिना तल



तक पहुंचे इसके सबसे गहराई में पड़े पत्थर, रह रहे जीवों आसानी से देख सकते हैं. इस

तरह का नजारा ब्रेन के लिए सक्षता न रखना बहुत ही होता है. यहां आसानी से पहुंचा जा

सकता है, लेकिन इस बात का ध्यान रखना बहुत ही होता है कि आप वहां किसी भी



तरह का कचरा न फैलाएं. सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के अनुसार, 271 अलग-अलग नदियों में 296 प्रदूषित नदी-हिस्सों की पहचान की है. इसका मतलब है कि देश भर में जिन नदी के हिस्सों की निगरानी की गई, उनमें से लगभग 43% सुरक्षित पानी की गुणवत्ता के मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं. इसका सबसे बड़ा कारण है शहरी सीवेज.

उमंगोट नदी घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से अप्रैल तक माना जाता है. इस समय इस नदी का पानी ज्यादा फिस्टल किलयर नजर आता है. साथ ही इस समय में बोटिंग

इसका 60% से ज्यादा हिस्सा बिना किसी ट्रीटमेंट के सीधे भारतीय नदियों में बहता है, जिसमें औद्योगिक कचरा और खेती से निकलने वाला पानी भी शामिल होता है.

उमंगोट नदी घूमने का सबसे अच्छा समय नवंबर से अप्रैल तक माना जाता है. इस समय इस नदी का पानी ज्यादा फिस्टल किलयर नजर आता है. साथ ही इस समय में बोटिंग

भी चालू रहती है. यदि आप यहां बरसात के मौसम में पहुंचते हैं, तो न आप बोटिंग कर सकते हैं और न ही इस नदी की खूबसूरती को निहार सकते हैं.

ये नदी मेघालय की राजधानी शिलांग से 95 किलोमीटर दूर, भारत-बांग्लादेश सीमा के पास डावकी कस्बे में बहती है. यहां आप गुवाहाटी और शिलांग ट्रेन या फ्लाइट से पहुंचने के

बाद टैक्सी से रोड ट्रिप करते हुए आ सकते हैं. डावकी का मुख्य पुल वाला इलाका बहुत मशहूर है, इसलिए यहां काफी भीड़ मिल सकती है. इसलिए अगर आप शांति से घूमना चाहते हैं और उतना ही साफ और शानदार पानी देखना चाहते हैं, तो उसी नदी के किनारे-किनारे 8 किलोमीटर आगे शंगंगपडेंग गांव पहुंचकर यहां से बोटिंग करें।

बिग बॉस 20 से बाहर आते ही इमोशनल हुई ईशा रिखी, फैस से बोलीं-इमोशनल ब्रेकडाउन हुए

फैस और सपोर्टर्स का जताया आभार, कहा-यह सफर यादों और इमोशंस सो भरा रहा

मुंबई। अभिनेत्री ईशा रिखी 'बिग बॉस -20' के घर से बाहर आ गई हैं। अभिनेत्री ने बुधवार को अपने फैस और सपोर्टर्स का शुक्रिया अदा किया। अभिनेत्री ने घर के अंदर बिताए अपने समय को याद किया और बताया कि यह सफर कई तरह के इमोशन से भरा रहा, जिसमें कई बार उन्हें अपनी भावनाएं व्यक्त करने में भी दिक्कत हुई।

ईशा रिखी ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने उन लोगों का शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस मुश्किल और चुनौती भरे सफर में उनका साथ दिया। अभिनेत्री ने लिखा, "बिग बॉस के घर में तीन हफ्ते, इतने सारे इमोशन्स, अनुभव, चुनौतियों, हंसी, आंसुओं और यादों से भरे हफ्ते, जिन्हें मैं हमेशा याद रखुंगी।"

अभिनेत्री ने फैस का शुक्रिया अदा करते हुए लिखा, "वापस आकर मुझे एहसास हुआ कि आपका प्यार और सपोर्ट मेरे लिए कितना मायने रखता है। उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मेरा साथ दिया, मुझ पर भरोसा किया, मेरे लिए तालियां बजाई और उन लोगों का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे सपोर्ट नहीं किया।



“मैं हर राय, मैसेज और इंसान की आभारी हूं जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना।

— ईशा रिखी

अभिनेत्री ने आगे लिखा, "मैं हर राय, मैसेज आर इंसान की आभारी हूं जो किसी भी तरह से इस सफर का हिस्सा बना। पिछले कुछ हफ्ते मेरे लिए आसान नहीं थे, मेरे इमोशनल ब्रेकडाउन हुए, ऐसे पल आए जब मैं खुद को ठीक से एक्सप्रेस नहीं कर पाई और ऐसे पल भी आए, जहां मैं वैसी नहीं दिख पाई जैसी मैं दिखना चाहती थी। मुझे पता है कि मैंने आप में से कुछ लोगों को निराश किया होगा और अगर ऐसा हुआ है, तो मैं दिल से माफी मांगती हूं।"

इस सफर से मिली सीख

ईशा रिखी का कहना है कि बिग बॉस के कई सारे अनुभवों को एक सीख के तौर पर लिया है। अभिनेत्री ने लिखा, "मैं अभी भी सब कुछ समझने की कोशिश कर रही हूं, खुद को बेहतर समझ रही हूं और इस पूरे अनुभव को एक सीख के तौर पर ले रही हूं।

एक बात जो मैं आप सी को बताना चाहती हूं, वो ये है कि मैंने आपका प्यार महसूस किया, तब भी जब मैं खुद ज्यादा कुछ कह नहीं पाई और मेरे लिए इसका मतलब शब्दों से नहीं ज्यादा है। मेरे साथ खड़े रहने के लिए, मुझे समझने के लिए और मुझे लगातार सपोर्ट करने के लिए शुक्रिया। मैं दिल से आप सभी की आभारी हूं।"

ममूटी ने दी 'पंथादिकम्' को अपनी आवाज

1 अक्टूबर से ओटीटी पर दिखेगा केरल का फुटबॉल जुनून

चेन्नई। मलयालम फिल्मों के सुपरस्टार ममूटी अब एक्टिंग के साथ एक खास स्पॉट्स डॉक्यूमेंट्री से भी जुड़े हैं। ममूटी ने मलयालम की पहली स्पॉट्स डॉक्यूमेंट्री 'पंथादिकम्' को अपनी आवाज दी है। इस पांच एपिसोड की सीरीज में केरल और फुटबॉल के बीच के खास रिश्ते की कहानी है।

डॉक्यूमेंट्री में फुटबॉल के इतिहास, परंपराओं, क्लब राइवल्स और खेल को लेकर फैस की दीवानी को करीब से दिखाया जाएगा। 'पंथादिकम्' 1 अक्टूबर से जी5 पर स्ट्रीम होगी।

इस डॉक्यूमेंट्री के जरिए दर्शकों को यह देखने का मौका मिलेगा कि केरल में फुटबॉल लोगों की जिंदगी और कल्चर का हिस्सा कैसे बन चुका है। इसमें प्रत्येक एपिसोड करीब 20 मिनट का होगा। सीरीज में केरल में फुटबॉल की शुरुआत से लेकर क्लब फुटबॉल के शुरूआती दौर, संतोष ट्रॉफी के सुनहरे दौर और फिर आधुनिक प्रोफेशनल फुटबॉल तक के सफर को दिखाया जाएगा।

सीरीज की खास बातें

- केरल में फुटबॉल की शुरुआत से लेकर क्लब फुटबॉल के शुरूआती दौर तक की कहानी
- संतोष ट्रॉफी के सुनहरे दौर और फिर आधुनिक प्रोफेशनल फुटबॉल तक का सफर
- प्रत्येक एपिसोड करीब 20 मिनट का होगा
- 1 अक्टूबर से जी5 पर स्ट्रीम

निर्माता और निर्देशन

इस डॉक्यूमेंट्री को स्ट्रीमिंग सोशल के तहत डॉ. संगीता जनचंद्रन ने प्रोड्यूस किया है। इसका निर्देशन नाइवस लोपेज ने करने के साथ म्यूजिक भी तैयार किया है, जबकि गीतार्थ एआर ने इसकी कहानी लिखी है।

जी5 की ओर से

जी5 के तमिल, तेलुगु और मलयालम बिजनेस हेड लॉपडे सी जैवियर ने कहा, "प्लेटफॉर्म का मकसद ऐसी कहानियां सामने लाना है, जो मलयाली दर्शकों की पसंद, संस्कृति और पहचान से जुड़ी हों।"

ममूटी बोले...

“केरल में फुटबॉल एक खेल से नहीं बड़कर है। यह एक ऐसा जज्बा है जो लोगों को साथ लाता है। गलियों और लोकल मैदानों से लेकर इंटरनेशनल मैच देखने के उत्साह तक, इस खेल के लिए लोगों का जुनून ऐसी चीज है, जिसकी मैंने हमेशा सराहना की है। 'पंथादिकम्' केरल और फुटबॉल के इस खास रिश्ते को समने लाती है और उन कहानियों, जिन और यादों को दिखाती है, जो इसे इतना खास बनाती है।"

इनकी कहानी भी होगी शामिल

सीरीज में भारत की पहली नेशनल एम्प्यूटी फुटबॉल टीम के कप्तान रहे वेंसाख एस.आर. की कहानी भी दिखाई जाएगी। उनका सफर संघर्ष, हिम्मत और फुटबॉल के प्रति जुनून की मिसाल है।

फुटबॉल का वैश्विक असर

डॉक्यूमेंट्री में इंटरनेशनल फुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ियों के प्रभाव को भी दिखाया जाएगा। खासतौर पर ब्राजील और अर्जेंटीना की टीमों के लिए केरल के लोगों की दीवानी किस तरह गलियों और घरों तक पहुंची, इसे भी जगह दी गई है।

पेरिस से लौटते ही ऐश्वर्या राय ने जीता दिल, पैपराजी से बोलीं- आओ गुप फोटो लेते हैं



विश्व केसरी■

मुंबई। ग्लोबल आइकन ऐश्वर्या राय बच्चन 'पेरिस फैशन वीक' में जलवा बिखेरने के बाद भारत लौट आई हैं। मंगलवार देर रात, अभिनेत्री पैपराजी के साथ गर्मजोशी से बातचीत करती नजर आई। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में, पेरिस फैशन वीक से लौटने के बाद ऐश्वर्या राय बच्चन फोटोग्राफर्स से बातचीत करती नजर आई। कार की ओर बढ़ते समय उन्होंने न केवल एक

प्रशंसक को ऑटोग्राफ दिया, बल्कि वहां मौजूद पैपराजी के अनुरोध पर तस्वीरें खिंचवाने के लिए रुक भी गईं। अलग-अलग पोज देने के बजाय, अभिनेत्री ने मीडियाकर्मीयों से कहा, 'आइए, सब लोग मिलकर एक गुप फोटो लेते हैं।' ऐश्वर्या के इस व्यवहार ने वहां मौजूद सभी फोटोग्राफर्स का दिल जीत लिया और उनके इस सहज व विनम्र रवैये की सराहना भी हो रही है।

दरअसल, अभिनेत्री अभी

'पेरिस फैशन वीक' से लौटी हैं, जहां उन्होंने रैंप पर क्रिस्टल से सजी केप वाली वेलवेट ड्रेस पहनकर वाक किया था। एक्ट्रेस ने सोमवार, 28 सितंबर को एफिल टॉवर के सामने 'प्लेस जोफ्रे' में आयोजित पेरिस फैशन वीक में हिस्सा लिया। इस शो में केंडल जेनर, इवा लोंगोरिया, सेलीन डियोन, सिमोन एशले, वियोला डेविस, जेन फोंडा, कारा डेलेविंगने और एंडी मैकडॉवेल जैसी ग्लोबल हस्तियां और एंबेसडर शामिल हुए। स्टेज पर ऐश्वर्या और अन्य ग्लोबल हस्तियां काफी मस्ती करती दिखीं और रैंप वाक करते समय ऐश्वर्या ने क्राउन भी पहना था। ग्लोबल फैशन और सिनेमा इवेंट्स से ऐश्वर्या का जुड़ाव 2002 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनकी पहली मौजूदगी से शुरू हुआ था। उस समय वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' के प्रीमियर के लिए फेस्टिवल में पहुंची थीं, जिसे इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल में दिखाया गया था। निर्देशक संजय लीला भंसाली और सह-कलाकार शाहरुख खान के साथ, ऐश्वर्या ने पारंपरिक पोली साड़ी में यादगार एंट्री की थी। तीनों एक घोड़ा-गाड़ी में सवार होकर वहां पहुंचे थे।

मैरी कॉम के गिरने पर गौहर खान ने लिया काजी तौकीर का पक्ष, कहा- बच्चों की तरह गिर गईं



विश्व केसरी■

मुंबई। रियलिटी शो 'बिग बॉस -20' के हालिया राशन और कप्तानी टास्क के दौरान मैरी कॉम के फिसलकर गिरने पर काजी तौकीर के साथ

उनकी बहस हुई। बुधवार को अभिनेत्री गौहर खान ने इस टास्क पर प्रतिक्रिया दी। गौहर खान ने काजी तौकीर का पक्ष लेते हुए इंस्टाग्राम स्टोरीज

अनिल कपूर ने दिखाई 'इंडिया के टॉप 1 परसेंट' की तैयारी की झलक,

विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर इन दिनों अपने नए रियलिटी शो 'इंडिया के टॉप 1 परसेंट' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने सोशल मीडिया पर शो की शूटिंग से पहले की तैयारी का एक मजेदार वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह अपनी टीम के साथ सवाल-जवाब करते, चीजों को समझते और हंसी-मजाक करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो के साथ अनिल ने दिखाया कि कैमरे के सामने दिखने वाले कुछ मिनटों के पीछे घंटों की तैयारी छिपी होती है इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो पर लिखा नजर आ रहा है, 'तैयारी के दिन

'इंडिया के टॉप 1 परसेंट'।'' वीडियो में अनिल कपूर शो की टीम के साथ बातचीत करते और अलग-अलग चीजों को समझते नजर आ रहे हैं। कभी वह किसी सवाल को लेकर चर्चा करते हैं, तो कभी अपने अंदाज में माहौल को मजाकिया बना देते हैं। वीडियो शेयर करते हुए अनिल ने कैप्शन में लिखा, 'आप स्क्रीन पर जो देखते हैं, वह कहानी का सिर्फ एक हिस्सा है। इसके पीछे घंटों की तैयारी, रिहर्सल, बातचीत, थोड़ी घबराहट और ढेर सारा अच्छा झुमर था।'' अनिल कपूर इससे पहले भी शो के फॉर्मेट को लेकर बात कर चुके हैं। उन्होंने बताया था कि 'इंडिया के टॉप 1 परसेंट' में आने वाला हर चैलेंज कंटेस्टेंट को ऑब्जर्वेशन, लॉजिक, प्रेजेंस ऑफ माइंड और दबाव के बीच शांत रहने की क्षमता को परखेगा। शो में क्विज शो से थोड़ा अलग फॉर्मेट है, जहां सिर्फ यह मायने नहीं रखता कि आपको कितना पता है, बल्कि यह भी देखा जाता है कि आप किसी चीज के बारे में सोचते कैसे हैं। 'इंडिया के टॉप 1 परसेंट: द अनिल कपूर शो' को इस तरह डिजाइन किया गया है कि अलग-अलग उम्र के लोग घर बैठे इसमें हिस्सा ले सकें।

सेक्शन पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने मैरी कॉम को शारीरिक रूप से मजबूत होने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी मजबूत और विकसित होने की सलाह दे डाली। वीडियो में गौहर खान कहती हैं, 'बिग बॉस में हम बहुत टास्क करते थे और हर सीजन में लोगों ने न जाने कितने कास्ट किए होंगे। यहां तक टास्क करने के लिए हम लोग 24 घंटे जागते रहते थे। रातभर टास्क करने, बेल बजाने और टाइमर रखने के लिए और यहां पर देश की बड़ी हस्ती मैरी कॉम, जिनमें इतना स्टूथ है कि वे अकेले ही किसी को भी पछाड़ सकती हैं। हालांकि, वह कह रही हैं कि काजी का बैग में डालने से वे गिर गईं।'

गौहर खान का कहना है कि इस टास्क की चर्चा आने वाले 'वीकेंड का वार' में जरूर हो। उन्होंने कहा, 'मैरी कॉम की ओर से काजी के ऊपर

आरोप लगाने की चर्चा वीकेंड का वार में जरूर हो। काजी ने जब हाथ बाहर निकाला तो, मैरी कॉम एक छोटी बच्ची की तरह गिर गईं।' अभिनेत्री का मानना है कि बैग भारी होने की वजह से मैरी कॉम गिर सकती हैं, लेकिन उन्हें इस तरह इल्जाम नहीं लगाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं समझती हूं कि वह बैग बहुत भारी था, लेकिन मैरी कॉम से ये उम्मीद नहीं थी। आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से मजबूत होने की जरूरत है।'

दरअसल, बिग बॉस 20 के हालिया राशन और कप्तानी टास्क के दौरान काजी तौकीर अपनी टीम और दोस्तों को जीत दिलाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ खेल रहे थे। नियमों के तहत घरवालों को अपने पर्सदीदा का समर्थन करने और दूसरों के बैग से राशन पैकेट निकालने की अनुमति थी।

विश्व केसरी■

मुंबई। अभिनेत्री शीना चौहान की तेलुगु साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम्' रिलीज के लिए लेकर तैयार है। बुधवार को अभिनेत्री ने फिल्म में कॉप की भूमिका अदा करने का अनुभव शेयर किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके साथ अभिनेता जेडी चक्रवर्ती नजर आ रहे हैं।

अभिनेत्री ने तस्वीरों पोस्ट कर लिखा, 'जातस्य मरणं ध्रुवम्' शूटिंग के दौरान जेडी चक्रवर्ती के साथ एक स्पेशल पल। कुछ किरदार कैमरा बंद होने के बाद भी आपके साथ रह जाते हैं। आईपीएस ऑफिसर और कॉप का किरदार निभाना बहुत ही शानदार रहा! आप सब क्या देखने वाले हैं, इसके लिए मैं और इंतजार नहीं कर सकती।'

श्रवण जोन्नादा द्वारा निर्देशित फिल्म का शीर्षक भगवद्गीता के एक प्रसिद्ध श्लोक से प्रेरित है, जिसका अर्थ है 'जिसका जन्म हुआ



है, उसकी मृत्यु निश्चित है।' फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर और संगीत मशहूर संगीतकार गिब्रान ने तैयार किया है जबकि जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जंधियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर

हैं। फिल्म में अभिनेत्री शीना चौहान के साथ जेडी चक्रवर्ती, नरेश अगस्त्य, सीत कपूर, शीना चौहान, प्रीति जंधियानी, हितेन तेजवानी और राजेश शर्मा जैसे उम्दा कलाकार नजर

आएंगे। फिल्म में जेडी चक्रवर्ती एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और अभिनेत्री शीना चौहान उनकी असिस्टेंट पुलिस अधिकारी 'अनुषा' के रोल में एक्शन और मार्शल आर्ट्स का दम दिखाती नजर आएंगी।

यह फिल्म रहस्य, सस्पेंस, अप्रत्याशित ट्विस्ट, फॉरेंसिक सुरागों और मानसिक माइंड गेम्स से भरपूर एक गहन खोजी कहानी है। फिल्म की कहानी एक मर्डर के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिसमें दर्शकों को चौंकाने वाले ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।

यह फिल्म तेलुगु भाषा के साथ-साथ हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज के लिए तैयार की गई है। तेलुगु थ्रिलर फिल्म 'जातस्य मरणं ध्रुवम्' सितंबर-अक्टूबर 2026 के बीच सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए निर्धारित की गई है।

फिल्म के निर्देशक श्रवण जोन्नादा ने हाल ही में पुष्टि की है कि वे इस अवधि के दौरान एक बड़े पैमाने पर फिल्म को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।

आसियान सदस्यों के साथ किया ब्रह्मोस मुख्यालय का दौरा, अनुभव शानदार: सिंगापुर के उच्चायुक्त

विश्व केसरी■
नई दिल्ली। सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वॉंग समेत भारत के विभिन्न शहरों में तैनात आसियान देशों के राजनयिकों ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित ब्रह्मोस मुख्यालय का दौरा किया।

हाई कमिश्नर वॉंग ने सोशल मीडिया 'प्लेटफॉर्म' एक्स पर ब्रह्मोस मुख्यालय के दौरे की तस्वीरें साझा करते हुए इसकी जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'आज (बुधवार) आसियान के सहयोगी देशों के साथ नई दिल्ली में ब्रह्मोस मुख्यालय का दौरा कर आखिं खुल गई (ये ज्ञान बढ़ाने वाला दौरा था) ! भारत के रक्षा उद्योग और ब्रह्मोस के पीछे की इंजीनियरिंग के बारे में और अधिक जानने का यह ये बेहतरीन अवसर था। '

उन्होंने आगे कहा, 'हमारे मेजबानों के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद और इस यात्रा के आयोजन के लिए फिलीपींस



दूतावास का भी धन्यवाद ! '

मुख्य रूप से फिलीपींस, वियतनाम और इंडोनेशिया ने खरीदी है या इसे लंकेर समझौता किया है। फिलीपींस वो पहला देश है जिसने भारत से ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज

मिसाइल खरीदी। साल 2022 में यह सौदा हुआ था। फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलों का पहला बैच 2024 में सौंपा गया, जबकि दूसरी खेप अप्रैल 2025 में डिलीवर की गई थी। भारत ने इसी साल वियतनाम के साथ भी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल की

डील की है, जिसके तहत वियतनाम को मिसाइलें और तटीय रक्षा प्रणाली दी जा रही है। भारत ने मई 2026 में शांगरी-ला डायलॉग के दौरान ऐतिहासिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते की पुष्टि भारत के रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने की थी। वहीं इंडोनेशिया के साथ भी जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जकार्ता यात्रा के दौरान ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और स्वदेशी 'अस्त्र' एयर-टू-एयर मिसाइल के निर्यात को लेकर एक ऐतिहासिक रक्षा समझौता हुआ।

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूसी एनपीओएम के सहयोग से मिलकर बनाया गया है। डीआरडीओ के अनुसार, इस प्रणाली को एंटी-शिप और लैंड-अटैक भूमिकाओं के लिए दो वेरिएंट के साथ डिजाइन किया गया है।

सेक्रेटरी जनरल की दौड़ में यूएनसीटीएडी प्रमुख आगे बढ़ीं, स्थायी सदस्य तय करेंगे भविष्य

विश्व केसरी■

संयुक्त राष्ट्र। सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस की जगह लेने के लिए दावेदारों के समर्थन का पता लगाने के लिए सुरक्षा परिषद के सदस्यों के बीच हुए अनौपचारिक पोल में यूएनसीटीएडी की प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन ने अपनी बहुत और मजबूत कर ली है। यह जानकारी इस गुप्त प्रक्रिया पर नजर रखने वाले सूत्रों से मिली है।

गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बिकेंट, जो एक पोल में आगे थीं, मंगलवार को हुए सात उम्मीदवारों के चौथे पोल में भी दूसरे स्थान पर बनी रहीं।

वीटो पावर वाले पांच स्थायी सदस्यों की बात ही आखिरी मानी जाएगी। इस महीने कार्डिसल के प्रेसिडेंट और फ्रांस के स्थायी प्रतिनिधि जेरोम बोनाफोंट ने बताया कि पोल हो गया है, लेकिन उन्होंने कहा कि तय प्रक्रिया के तहत वे नतीजे नहीं बता सकते।



हालांकि, नतीजे लौक हो गए और '1 फॉर 8 बिलियन' (1एफ8बी), जो निष्पक्ष और खुले चुनाव के लिए कैपेन करने वाला गुप्त है, और यूएन की खबरें कवर करने वाली मीडिया साइट 'पास ब्लू' के आंकड़ों से पता चला कि कोस्टा रिका की ग्रिनस्पैन की 15 सदस्यों वाली कार्डिसल में 10 पॉजिटिव, तीन नेगेटिव और दो न्यूट्रल वोट मिले। यह आंकड़ा दो सप्ताह पहले हुए पिछले 'स्ट्रॉ' पोल

में उनके लिए एक पॉजिटिव वोट ज्यादा था सभी सात उम्मीदवारों ने पिछले हफ्ते जनरल असेंबली के हाई-लेवल वीक के दौरान लॉबींग की, जहां इस बात पर जोर था कि यूएन की कमान किसी महिला को सौंपी जानी चाहिए, क्योंकि पिछले 80 सालों से इसकी अगुवाई पुरुष ही करते आए हैं। 1991 में जेवियर पेरेंज डी कुएलर के पद छोड़ने के बाद से 35 सालों तक इस पद पर कोई लैटिन अमेरिकी नहीं रहा है।

संक्षिप्त खबर

पश्चिम एशिया संकट के बीच अमेरिकी सेना छोड़ रही इराक

विश्व केसरी■
बगदाद। पश्चिम एशिया संकट का पटक्षेप नहीं हुआ है। इराक समेत क्षेत्र के कई इलाके अभी भी अशांत हैं। ऐसे समय में अमेरिकी सेना इराक में अपना मिशन खत्म कर दिया है। एक दशक से ज्यादा समय के बाद ऐसा हो रहा है। इस गठबंधन ने देश को चरमपंथी समूहों से बचाने में मदद की, हालांकि क्षेत्र में तनाव बढ़ाने के लिए भी जिम्मेदार ठहराया गया। 2014 में इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह से लड़ने के लिए गठबंधन की सेनाओं को इराक और सीरिया भेजा गया था। इस समूह ने दोनों देशों के बड़े इलाकों को अपने कब्जे में रखा था। आईएस को 2017 में इराक में और 2019 में सीरिया में हरा दिया गया था, लेकिन गठबंधन की सेनाएं समूह के बचे-खुचे लोगों से लड़ने के लिए वहां बनी रहीं। बगदाद और वाशिंगटन 2024 में गठबंधन के मिशन को धीरे-धीरे खत्म करने पर सहमत हुए। इसके बाद गठबंधन की सेनाएं देश भर के ठिकानों से धीरे-धीरे हटने लगीं और उनकी मौजूदगी सिर्फ स्वायत्त उत्तरी कुर्दिस्तान क्षेत्र तक सीमित रह गई। वहां से उनकी अंतिम वापसी बुधवार को है। इराकी सरकार का मानना ? है कि गठबंधन के हटने से ताकतवर चरमपंथी गुटों के पास अपने हथियार बनाए रखने का बहाना खत्म हो जाएगा।



700 करोड़ से अधिक के कथित जीएसटी फर्जीवाड़े में जमशेदपुर और बंगाल में ईडी की छापेमारी

विश्व केसरी■
जमशेदपुर। 700 करोड़ रुपये से अधिक के कथित जीएसटी फर्जीवाड़े और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में एक साथ कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू की। ईडी की अलग-अलग टीमें जमशेदपुर में उद्योगपति ज्ञान चंद जायसवाल उर्फ बबलू जायसवाल से जुड़े परिसरों के अलावा पश्चिम बंगाल में भी तलाशी अभियान चला रही हैं। कार्रवाई के दौरान ईडी की टीम कारोबारी लेन-देन, खरीद-बिक्री से जुड़े दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, जमशेदपुर में बिष्टुपुर के कोटैक्टर्स एरिया स्थित जायसवाल के आवास के अलावा बर्मामांडस, जुगासलाई और आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में उनसे जुड़े कारोबारी परिसरों में तलाशी ली जा रही है। आदित्यपुर के हथियाडीह स्थित शारदा एडवेंचर से जुड़े परिसर को भी जांच के दायरे में बताया गया है। ईडी की कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और जांच पूरी होने तक बाहरी लोगों की आवाजाही सीमित रखी गई है। जांच एजेंसी को कथित तौर पर ऐसी कंपनियों और फर्मों के नेटवर्क के बारे में जानकारी मिली है, जिनके माध्यम से बिना वास्तविक माल की आपूर्ति के फर्जी इनवॉइस जारी कर इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने और उसे आगे बढ़ाने का आरोप है। ईडी इसी कथित फर्जी बिलिंग और उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन की पड़ताल कर रही है।



तमिलनाडु सरकार निजी भागीदारी के साथ 220 करोड़ की परियोजनाएं शुरू करने की बना रही योजना

विश्व केसरी■
चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने 220 करोड़ रुपये की लागत वाली दो शहरी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का आकलन करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें तंजावुर में एक मल्टीपर्वज कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और थूथुकुडी में एक पुराने बस स्टैंड का पुनर्क-प्राइवेट पार्टनरशिप के जरिए पुनर्विकास शामिल है।



तंजावुर कॉर्पोरेशन में बनने वाले कमर्शियल कॉम्प्लेक्स की अनुमानित लागत 130 करोड़ रुपये है जबकि थूथुकुडी कॉर्पोरेशन के पोलेपेट्टई इलाके में पुराने बस स्टैंड के रीडेवलपमेंट पर 90 करोड़ रुपये खर्च होने की उम्मीद है। तमिलनाडु सरकार के 'प्रोजेक्ट

डेवलपमेंट ग्रांट फंड' के तहत दोनों परियोजनाओं के लिए डिटेल्ड फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने और ट्रांजेक्शन एडवाइजरी सर्विस (लेनदेन संबंधी सलाहकार सेवाएं) देने के लिए सलाहकार नियुक्त करने के लिए टेंडर मंगाए गए हैं।

सलाहकार यह जांच करेगा कि क्या प्रस्तावित परियोजना निजी भागीदारी के साथ लागू की जा सकती है और उनकी वित्तीय व्यवहार्यता (फिजिबिलिटी) का आकलन भी होगा। यह स्टडी अधिकारियों को प्राइवेट डेवलपर्स के चयन की प्रक्रिया शुरू करने से पहले पार्टनरशिप का सही ढांचा तय करने में मदद करेगी।

तंजावुर के मामले में इस आकलन में प्रस्तावित मल्टीपर्वस शॉपिंग और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स शामिल होगा। थूथुकुडी में, इसमें पोलेपेट्टी में मौजूद बस स्टैंड के रीडेवलपमेंट के प्रस्ताव की जांच की जाएगी। दोनों प्रस्ताव अभी परियोजना की तैयारी के चरण में हैं।

समुद्र में 526 किलो ड्रग्स पकड़े जाने पर अमित शाह बोले- केन्द्र सरकार युवाओं को नशे से बचाने के लिए प्रतिबद्ध

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) और गुजरात के आतंकवाद-रोधी दस्ता (एटीएस) द्वारा अरब सागर में 526 किलोग्राम ड्रग्स पकड़ने पर गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ी उपलब्धि बताई है।

अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा, 'मोदी सरकार युवाओं को ड्रग्स की बुराई से बचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। गुजरात एटीएस, इंडियन कोस्ट गार्ड और सेंट्रल इंटील्लिजेंस एजेंसियों के एक जॉइंट ऑपरेशन में भारत के ईईजेड (एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन) में एक गृह मंत्री ने आगे कहा, 'इस मामले में पांच पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है और इसके बड़े नेटवर्क तथा



ड्रग्स लेने वालों की पहचान करने के लिए आगे की जांच चल रही है। एजेंसियों के नाइटकल मील दक्षिण-पश्चिम में थी।' बौध बेहतरिन तालमेल और सहयोग का उदाहरण पेश करते हुए 16 दिनों तक चले इस ऑपरेशन में एक ईरानी नाव को भी जबा किया गया।'

गुजरात के आणंद में भीषण सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत; पीएम मोदी ने जताया शोक

विश्व केसरी■

आणंद। गुजरात के आणंद जिले में अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक प्राइवेट बस और ट्रक की टक्कर में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के 'एक्स' पोस्ट में पीएम मोदी के हवाले से लिखा गया, 'गुजरात के आणंद में हुए हादसे में लोगों की जान जाने से बहुत दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। मैं सभी घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करता हूं। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।



घायल बस पैसेंजर गणेश जाधव ने आईएनएस से कहा, 'हम लोग खाना खा कर बस में सो गए थे। तभी ये हादसा हुआ।' सिविल अस्पताल नडियाड के सीएमओ डीआरपटेल ने कहा, 'ये सभी सूरत से नाथद्वारा जा रहे थे। तभी लगजरी बस और ट्रक के बीच एक्सीडेंट हो गया। एक व्यक्ति की रास्ते में ही मौत हो गई थी।'

बता दें कि यह हादसा आणंद-नडियाद के बीच अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे पर

होया है। जानकारी के मुताबिक, सूरत से राजस्थान जा रही एक निजी बस ओवरटेकिंग लेन में हादसे का शिकार हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा तब हुआ जब प्राइवेट बस एक्सप्रेसवे पर ट्रक की ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी। ट्रकवर इतनी भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे में 5 जंडिगियां खत्म हो गईं, जिससे मृतकों के परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है।



भारतीय महिला हॉकी टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश

विश्व केसरी ■
काकामिगहारा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने 'एशियन गेम्स 2026' में मेडल सुनिश्चित कर लिया है। बुधवार को जापान के काकामिगहारा में खेले गए सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने साउथ कोरिया को 2-0 से मात देकर गोल्ड मेडल मैच में जगह बना ली। अब खिताबी मैच में भारत का सामना चीन से होगा।

1982 के बाद से महिला हॉकी में अपना पहला एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीतने की कोशिश कर रही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में अपना शानदार रिकॉर्ड बनाए रखा। सलीमा टेटे की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने ज्यादातर समय

बॉल पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन साउथ कोरिया के मजबूत डिफेंस के कारण उन्हें गोल करने के लिए तीसरे क्वार्टर तक इंतजार करना पड़ा।

भारत को पहले क्वार्टर में कई पेनाल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन किसी भी मौके को गोल में तब्दील नहीं किया जा सका। वे ओपन प्ले से भी गोल के करीब पहुंचे, लेकिन नवनीत कौर से मिले बेहतरीन पास के बाद लालरैमियामी हमारजोटे गोल नहीं कर पाई। साउथ कोरिया ने भी दोनों तरफ से अटैक करके भारतीय डिफेंस को परखने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस मजबूत बना रहा और पहला क्वार्टर बिना किसी गोल के खत्म हुआ।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में भी दबाव बनाए रखा और पेनाल्टी कॉर्नर से फिर गोल के करीब पहुंचा। नवनीत ने जबरदस्त शॉट लगाया, लेकिन साउथ कोरियाई गोलकीपर ने गोल के सामने डाइव लगाकर शानदार बचाव किया। भारत के लगातार दबाव के बावजूद दक्षिण कोरिया डटा रहा और हाफ-टाइम तक स्कोर 0-0 रहा।



भारतीय महिला टीम आर्चरी टीम फाइनल पहुंची, दक्षिण कोरिया को हराया

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। चिकिथा तानिपार्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा वेन्नम की भारतीय महिला कंपाउंड आर्चरी टीम ने बुधवार को ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को 234-233 से हराया। फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला चीन से होगा। कोरिया चीनी ताइपे के साथ ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेगा।

भारत ने एंड 1 में तीन शॉट में 29 का स्कोर कर अच्छी शुरुआत की। चिकिथा और ज्योति दोनों ने 10 का स्कोर किया, जबकि पृथिका ने 9 का स्कोर किया। हालांकि, कोरिया ने परफेक्ट 30 से शुरुआत की। भारतीय तिकड़ी ने एंड 1 के दूसरे हाफ में परफेक्ट 30 के साथ जल्दी ही वापसी की। दक्षिण कोरिया की येरिन पार्क ने 9 का स्कोर किया और एंड 1 के बाद स्कोर 59-59 से बराबर हो गया।

चिकिथा ने एंड 2 में 9 का स्कोर किया और पृथिका तथा ज्योति ने 10 का स्कोर किया, लेकिन कोरियाई खिलाड़ियों के लगातार तीन 9 के स्कोर से भारत 88-86 से आगे हो गया। इसके बाद भारत ने दो इनर 10 और एक 10 का स्कोर किया। पार्क ने फिर 9 का स्कोर किया और



भारत की बढ़त 118-115 हो गई।

कोरिया ने एंड 3 की शुरुआत दो 10 और एक 9 के साथ की। भारत के लिए ज्योति ने 9 का स्कोर किया। इसके बाद कोरिया ने तीन परफेक्ट 10 लगाए, जबकि भारत ने इस एंड में कुछ पॉइंट गंवाए और बढ़त

सिर्फ एक पॉइंट, 174-173, रह गई।

कोरिया के पास एंड 4 में वापसी करने का मौका था और उसने दो 10 और एक 9 के साथ शुरुआत की। भारत के लिए चिकिथा ने 9 के साथ शुरुआत की, लेकिन पृथिका और ज्योति ने 10 लगाकर बढ़त बनाए रखी।

आखिरी तीन तीरों में कोरिया और भारत दोनों ने दो 10 और एक 9 लगाए और 234-233 से जीत के साथ गोल्ड मेडल मैच में अपनी बढ़त बनाए रखी। भारत ने हांगझोऊ एशियन गेम्स 2023 में रिकॉर्ड नौ मेडल जीते थे। इसमें पांच गोल्ड, दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज थे।

लवलीना नताल्या बोगदानोवा को हराकर फाइनल में पहुंचीं



विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। 75 किलोग्राम वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने कजाकिस्तान की मुक्केबाज नताल्या बोगदानोवा को रिलिफ फैसले में 3-2 से हराया।

इस जीत के साथ ही लवलीना ने एशियन गेम्स 2026 में कम से कम अपना सिल्वर मेडल पक्का कर लिया है। हालांकि, भारतीय मुक्केबाज से देश को गोल्ड मेडल की आस है। लवलीना लगातार दो एशियन गेम्स में फाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बन गई हैं। फाइनल मुकाबले में लवलीना ने जबरदस्त

वापसी की। पहले राउंड में लवलीना लय में दिखाई नहीं दीं और उन्हें यह राउंड 2-3 से गंवाना पड़ा। हालांकि, इसके बाद भारतीय मुक्केबाज ने अपनी रणनीति में बदलाव किया, जिसका असर उनके खेल में भी नजर आया। लवलीना ने दूसरा और फिर तीसरा राउंड अपने नाम किया। लवलीना के एक के बाद दमदार पंचों के आगे कजाकिस्तान की महिला मुक्केबाज मुश्किल में दिखाई दी। दूसरे राउंड में लवलीना को पांच जर्जी की ओर से 10-10 प्वाइंट मिले। वहीं, तीसरे राउंड में दो जज ने लवलीना को 10, जबकि तीन जजों ने 9 प्वाइंट दिए।

हालांकि, भारतीय महिला मुक्केबाज प्रिया घंधस को ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा।

सुनील कुमार ने ग्रीको-रोमन रेसलिंग में जीता ब्रॉन्ज मेडल



विश्व केसरी ■

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को सुनील कुमार ने पुरुषों के 87 किलोग्राम ग्रीको-रोमन रेसलिंग इवेंट में फिलीपींस के कैलम जॉनस्टन रॉबर्ट्स के खिलाफ 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के आधार पर 9-0 से जीत हासिल की। इसी के साथ सुनील ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर लिया।

सुनील ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम करते हुए रिकॉर्ड बुक में

नाम दर्ज करवा लिया है। 27 वर्षीय सुनील एशियन गेम्स में दो ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बन गए हैं।

हांगझोऊ 2022 में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद पोडियम पर वापसी करते हुए, सुनील को नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में मुकाबला जीतने के लिए मुश्किल से एक राउंड की जरूरत पड़ी। उन्होंने तुरंत मैच पर पकड़ बना ली और शुरुआती

दांव-पेच में रॉबर्ट्स को दो बार पटखनी देकर चार प्वाइंट्स हासिल किए। इसके बाद प्रतियोगिता की निष्क्रियता (पैसिविटी) के कारण उन्हें एक और प्वाइंट्स मिला, जिससे मुकाबले के शुरू होने के 90 सेकंड के भीतर ही भारतीय खिलाड़ी को 5-0 की बढ़त मिल गई।

सुनील ने ढील देने का कोई संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने एक और 'पैसिविटी' स्थिति का फायदा उठाते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचे

गिराकर बढ़त को 7-0 कर दिया, जिससे रॉबर्ट्स भारतीय खिलाड़ी के लगातार हमलों का जवाब खोजने के लिए संघर्ष करते दिखे। इसके कुछ ही देर बाद मुकाबला खत्म हो गया। सुनील ने एक और स्कोरिंग मूव करते हुए दो और प्वाइंट्स हासिल किए और 'टेक्निकल सुपीरियरिटी' के लिए जरूरी नौ प्वाइंट्स के अंतर तक पहुंच गए, जिससे मुकाबले का शानदार अंत हुआ।

यह ब्रॉन्ज मेडल उनके करियर में एक और अध्याय जोड़ता है, जिसमें पहले से ही छह एशियन चैंपियनशिप मेडल शामिल हैं। अब सुनील कॉन्टिनेंटल गेम्स में एक से ज्यादा ग्रीको-रोमन मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

पोडियम पर उनकी यह हालिया सफलता ग्रीको-रोमन रेसलिंग मेडल टैली में भारत की मौजूदगी को बनाए रखती है। ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन के बाद सुनील एशियन गेम्स के मंच पर सफलता हासिल करने वाले नवीनतम भारतीय एथलीट बन गए हैं।

नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने शूटिंग इवेंट में जीता दिलाया गोल्ड मेडल

विश्व केसरी ■

ओकाजाकी। एशियन गेम्स 2026 में बुधवार को भारत की झोली में एक और गोल्ड मेडल आया है। शूटिंग के मिक्सड ट्रेप इवेंट में नीरू ढांडा और किनान चेनाई की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए देश को इस टूर्नामेंट का 9वां गोल्ड मेडल दिलाया।

नीरू और किनान की जोड़ी ने 34 प्वाइंट्स अर्जित करते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। वहीं, कतर ने 32 प्वाइंट्स हासिल करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि चीन 23 प्वाइंट्स के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहा। ईरान फाइनल में 12 प्वाइंट्स के साथ चौथे स्थान पर रहा। नीरू का यह एशियन गेम्स 2026 में तीसरा मेडल है। इससे पहले, नीरू ने महिलाओं के ट्रेप टीम इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। इसके साथ ही उन्होंने व्यक्तिगत ट्रेप शूटिंग में गोल्ड मेडल अपने नाम किया था। वह ट्रेप शूटिंग में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी बनीं। मिक्सड ट्रेप इवेंट के फाइनल में नीरू और किनान ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने

पहली सीरीज में 6 प्वाइंट हासिल किए, जबकि दूसरी सीरीज में यह भारतीय जोड़ी 16 प्वाइंट अर्जित करने में कामयाब रही। तीसरी सीरीज के अंत तक भारत ने 26 प्वाइंट हासिल किए और चौथी और आखिरी सीरीज में स्कोर को 34 पर पहुंचाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

बुधवार को यह भारत ने तीसरा गोल्ड मेडल जीता है। इससे पहले, आर्चरी के मिक्सड कंपाउंड इवेंट में राजेश जाधव और चिकिथा तनिपार्थी की जोड़ी ने देश को गोल्ड मेडल दिलाया। उन्होंने रोमांच के साथ फाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया को शूट-आफ में हराया। भारत और साउथ कोरिया का स्कोर 157-157 रहा, जिसके बाद विजेता का फैसला शूट-आफ से किया गया, जहां भारतीय जोड़ी बाजी मारने में सफल रही वहीं, भारतीय महिला कंपाउंड आर्चरी टीम ने देश को दिन का पहला गोल्ड मेडल दिलाया। चिकिथा तनिपार्थी, पृथिका प्रदीप और ज्योति सुरेखा की तिकड़ी ने फाइनल में चीन को 238-234 से हराकर गोल्ड मेडल जीता।

सुमित नागल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, दक्षिणेश्वर सुरेश हारकर प्रतियोगिता से बाहर

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत के सुमित नागल ने बुधवार को एशियन गेम्स 2026 में मॅस सिंगल्स मुकाबले में उज्बेकिस्तान के सर्गेई फोमिन को सीधे सेटों में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जबकि दक्षिणेश्वर सुरेश का सफर तीसरे दौर में हार के साथ समाप्त हो गया।

सातवीं वरीयता प्राप्त नागल ने फोमिन के खिलाफ संयमित खेल दिखाते हुए 6-3, 6-2 से जीत हासिल की और अंतिम आठ में अपनी जगह सुनिश्चित की। वर्ल्ड नंबर 249 भारतीय खिलाड़ी ने पूरे मुकाबले के दौरान अपना संयम बनाए रखा और मौकों का फायदा उठाते हुए बिना किसी निर्णायक सेट की नौबत आए मैच जीत लिया।

क्वार्टर फाइनल में नागल के सामने चीन के तीसरे वरीयता प्राप्त खिलाड़ी वू यिबिंग की कड़ी चुनौती होगी। वर्ल्ड नंबर 111 चीनी खिलाड़ी ने इससे पहले नागल को



उनके एकमात्र मुकाबले में हराया था।

नागल दूसरे दौर में साउथ कोरिया के सियोंगचन होंग को 6-4, 6-0 से हराकर तीसरे दौर में पहुंचे

थे। सोमवार को खराब मौसम के कारण उनका मैच रोकना पड़ा था, 4-3 से आगे हो गए। हालांकि, थे; इसके बाद मंगलवार को खेल फिर से शुरू हुआ। खेल दोबारा शुरू

होने के बाद होंग ने शुरुआत में बढ़त बनाई, लगातार आठ अंक जीते और 4-3 से आगे हो गए। हालांकि, नागल ने जोरदार वापसी की और लगातार नौ गेम जीतकर मुकाबले पर

अपनी पकड़ बना ली और सीधे सेटों में जीत हासिल की।

इससे पहले भारतीय खिलाड़ी को 2024 इंडियन वेल्स मास्टर्स के क्वालीफाईंग मुकाबले में होंग से हार का सामना करना पड़ा था। एशियन गेम्स से पहले डेविस कप में भी दक्षिण कोरिया के खिलाफ उन्हें मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, जहां वे ह्यान चुंग और सूनवू क्वोन से हार गए थे।

वहीं, दक्षिणेश्वर, जो इंडोनेशिया के गुनावन ट्रिस्मुवतारा को सीधे सेटों में हराकर तीसरे दौर में पहुंचे थे, चीनी ताइपे के छठी वरीयता प्राप्त चुन-ह्सिन त्सेंग को नहीं हरा सके। भारतीय खिलाड़ी 3-6, 4-6 से हार गए, जिससे उनका पुरुष एकल का सफर खत्म हो गया। दक्षिणेश्वर ने दूसरे दौर में गुनावन के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-5, 7-6 (2) से जीत हासिल की थी; यह एशियाई खेलों में उनका पहला मुकाबला था।

विश्व केसरी ■

नागोया। चीन की 17 साल की यांग सिकी ने 2026 एशियन गेम्स में महिलाओं के शॉर्टबोर्ड में सिल्वर मेडल जीता। फाइनल में उन्हें जापान की मिराई इकेडा से हार का सामना करना पड़ा।

यांग ने अच्छी शुरुआत की, अपनी पहली दो वेव पर 4.00 और 3.57 पॉइंट स्कोर करके शुरुआती बढ़त बना ली। लेकिन इकेडा छोटी वेव मिलने के बावजूद स्कोरिंग के मौके ढूँढती रहीं और कई दांव लगाकर यांग से आगे निकल गईं।

यांग दूसरे हाफ में कोई और वेव नहीं ढूँढ पाई और आखिर में 11.64-7.57 से हार गईं। जापान की मिनामी नोनाका ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

फाइनल के बाद यांग ने कहा, 'कुल मिलाकर, मुझे लगता है कि मैंने काफी अच्छा परफॉर्म किया। मुझे लगता है कि इस बार मैं ज्यादा परिपक्व हूँ और मेरे खेल में निरंतरता है। मैं अपने खेल के विकास को महसूस कर सकती हूँ। यांग ने कहा कि वह पीछे होने के बावजूद शांत रहें और जल्दी अपनी प्रार्थमिकता का इस्तेमाल करने के लालच से खुद को रोक।



हालांकि, गोल्ड न जीत पाने का मलाल यांग को था और इस वजह से उनकी आंखों में आंसू भी आए।

उन्होंने कहा, 'मैं एक अच्छी वेव का इंतजार कर रही थी, लेकिन वह कभी नहीं आया। यह काफी निराशाजनक है क्योंकि मुझे लगा कि मेरे पास खिताब जीतने का मौका था।

यांग ने 2024 में पेरिस ओलंपिक्स के लिए क्वालीफाई किया और ओलंपिक बर्थ सुक करने वाली पहली चीनी सर्फर बनीं। पुरुषों के शॉर्टबोर्ड फाइनल में, टोक्यो ओलंपिक के सिल्वर मेडलिस्ट जापान के कनोआ इगाराशी ने इंडोनेशिया के आई मेड पजार एरियाना को हराकर गोल्ड मेडल जीता। फिलीपींस के जयुआर्ड एल्सो ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

आइची-नागोया गेम्स में सर्फिंग ने आधिकारिक तौर पर एशियन गेम्स के खेल के तौर पर डेब्यू किया, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के शॉर्टबोर्ड इवेंट 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक्स के लिए क्वालीफायर के तौर पर भी काम करेंगे।

यूपीआई के दबदबे वाले बाजार में एप्पल पे की एंट्री, आईफोन यूजर्स को मिलेगा आसान और सुरक्षित पेमेंट का विकल्प



विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। एप्पल ने भारत में अपनी डिजिटल भुगतान सेवा एप्पल पे लॉन्च कर दी है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे समय में एप्पल पे की एंट्री हुई है जब भारत दुनिया के सबसे उन्नत डिजिटल भुगतान बाजारों में से एक है और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) देश के कुल डिजिटल भुगतान लेनदेन का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संभालता है।

मार्केट रिसर्च फर्म सीएमआर के इंडस्ट्री रिसर्च ग्रुप के वाइस प्रेसिडेंट प्रभु राम ने कहा कि एप्पल पे का भारत में लॉन्च कंपनी के हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर और सेवाओं के इकोसिस्टम को और मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि एप्पल अब अपने ग्राहकों को एकीकृत और सहज भुगतान अनुभव प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

फिलहाल एप्पल पे एक्सिस बैंक द्वारा जारी वीजा और मास्टर कार्ड

क्रेडिट कार्ड्स को आईफोन, आईपैड और एप्पल वॉच पर सपोर्ट करेगा। कंपनी जल्द ही मैक डिवाइसों के लिए भी यह सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बना रही है।

प्रभु राम ने कहा कि भारत के चौथे सबसे बड़े क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता एक्सिस बैंक के साथ शुरुआत एप्पल के लिए महत्वपूर्ण है। बैंक के पास लगभग 1.62 करोड़ सक्रिय क्रेडिट कार्ड हैं। वहीं देश में कुल क्रेडिट कार्ड संख्या 12.2 करोड़ से अधिक हो

चुकी है और कॉन्टैक्टलेस भुगतान का उपयोग भी तेजी से बढ़ रहा है।

हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि एप्पल पे के आने से यूपीआई की स्थिति पर कोई बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है। उनके अनुसार, यूपीआई भारतीय उपभोक्ताओं के रोजमर्रा के भुगतान का मुख्य आधार बना रहेगा।

उन्होंने कहा कि एप्पल पे का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि यह एप्पल डिवाइस इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए कार्ड भुगतान को अधिक सहज और सुविधाजनक बना देगा तथा एप्पल के इकोसिस्टम के साथ उनकी जुड़ाव को और मजबूत करेगा। कार्टरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक का भी मानना है कि एप्पल पे भारतीय बाजार में कार्ड उपयोग को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने कहा कि चेकआउट के समय ओटीपी की आवश्यकता समाप्त होने से एप्पल डिवाइस उपयोक्ताओं के लिए भुगतान प्रक्रिया कहीं अधिक आसान हो जाएगी।

पाठक के अनुसार, सबसे महत्वपूर्ण बात यह होगी कि आने वाले समय में कितने बड़े बैंक एप्पल पे प्लेटफॉर्म से जुड़ते हैं। यदि अधिक बैंक इसमें शामिल होते हैं तो इसके

संभावित उपयोगकर्ताओं का दायरा तेजी से बढ़ सकता है।

उन्होंने कहा कि भारत में यूपीआई अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखेगा, लेकिन एप्पल पे से एप्पल को अपने प्रीमियम ग्राहक आधार के बीच एक बेहतर और अधिक एकीकृत भुगतान अनुभव देने का अवसर मिलेगा।

विशेषज्ञों के मुताबिक, कोविड-19 के बाद भारत में क्रेडिट कार्ड उपयोग और एनएफसी (नियर फील्ड कम्युनिकेशन) आधारित भुगतान प्रणाली दोनों में दो अंकों की दर से वृद्धि हुई है। इसी कारण एप्पल पे को भारत में बढ़ती डिजिटल भुगतान आदतों का लाभ मिल सकता है। कंपनी के अनुसार, एक्सिस बैंक के वीजा और मास्टर कार्ड क्रेडिट कार्ड धारक अपने कार्ड एप्पल पे में जोड़कर देशभर के हजारों ऑफलाइन और ऑनलाइन व्यापारियों के यहां भुगतान कर सकेंगे। इसके अलावा, जहां भी एनएफसी भुगतान स्वीकार किए जाते हैं, वहां एप्पल पे का उपयोग किया जा सकेगा। एप्पल ने कहा कि यह सेवा ग्राहकों को स्टोर्स, मोबाइल ऐप्स और वेबसाइटों पर तेज, सुरक्षित और निजी भुगतान अनुभव देगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्त वर्ष 27 में 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान: एसएंडपी ग्लोबल



विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 26 में 7.8 प्रतिशत की विकास दर दर्ज की है और वित्त वर्ष 27 में इसके करीब 7 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। यह जानकारी एसएंडपी ग्लोबल-क्रिसिल की रिपोर्ट में बुधवार को दी गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्लोबल अनिश्चितता और अमेरिका के ऊंचे टैरिफ के बावजूद भारत की मजबूती, देश की घरेलू आर्थिक ताकतों को दिखाती है। हालांकि, जैसे-जैसे देश विकास के अगले चरण में प्रवेश करेगा, विकास दर के थोड़ा धीमा होने की उम्मीद है। 'इंडिया फॉरवर्ड' रीडमैजनिंग 'ग्रोथ' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2026-27 में देश की विकास दर के घटकर लगभग 7 प्रतिशत होने की उम्मीद है।

हालांकि, इसमें कहा गया है कि अगर भारत अपनी मैक्रो-इकोनॉमिक मजबूती को लंबे समय तक चलने वाली ग्रोथ की रफ्तार में सफलतापूर्वक बदल पाता है, तो वह अपनी विकास की गति को बनाए रखने की अच्छी स्थिति में रहेगा।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के प्रेसिडेंट और क्रिसिल के बोर्ड चेयरमैन, यान ले पैलेक ने कहा कि भारत के पास इन्फ्रास्ट्रक्चर के लगातार विकास, अधिक प्रतिस्पर्धी संघवाद, गहरे पूंजीगत बाजार और मजबूत फाइनेंशियल इंटरमीडिएशन के जरिए अपनी आर्थिक मजबूती को और बढ़ाने का एक बड़ा मौका है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की उम्मीद से बेहतर ग्रोथ घरेलू मांग की मजबूती और तेजी से बदलते अनिश्चित वैश्विक माहौल में भी अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने की क्षमता को दिखाती है।

इसमें कहा गया कि देश की ग्रोथ का अगला चरण निवेश की रफ्तार बनाए रखने और अहम आर्थिक संस्थानों को मजबूत करने पर निर्भर करेगा।

भू-राजनीतिक मोर्चे पर, अध्ययन में यह सुझाव दिया गया कि भारत वैश्विक मामलों में खुद को एक 'बैलेंसिंग पावर' के बजाय एक 'लीडिंग पावर' के तौर पर स्थापित कर रहा है।

रिपोर्ट में होमुर्गु जलडमरूमध्य से होने वाली आपूर्ति में रुकावट के बाद ऊर्जा सुरक्षा को एक अहम चिंता के तौर पर भी बताया गया है। भारत का आधे से ज्यादा कच्चा तेल आयात होमुर्गु जलडमरूमध्य से होकर आता है, जिससे यह देश इस रणनीतिक जलमार्ग में होने वाली रुकावटों से सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में से एक बन जाता है।

रिपोर्ट में डिजिटल रुपए की बढ़ती संभावनाओं की ओर भी इशारा किया गया है और कहा गया है कि सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की चौथी परत के तौर पर उभर सकती है।

इसमें कहा गया है कि डिजिटल रुपया प्रोग्रामेबल मनी को संभव बना सकता है और तेजी से टोकनाइन हो रही 'लोकल इकॉनमी' में सीमा-पार व्यापार और रेमिटेंस को सांवरेन करेंसी (सरकारी मुद्रा) से जोड़े रखने में मदद कर सकता है।

दिल की बीमारी के ये शुरुआती संकेत भूलकर भी न करें नजरअंदाज, जानें शरीर कैसे देता है चेतावनी

विश्व केसरी ■
नई दिल्ली। दिल हमारे शरीर का वह हिस्सा है, जो बिना रुके दिन-रात काम करता रहता है। दिल लगातार शरीर के हर हिस्से तक खून और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम करता है। परेशानी तब शुरू होती है, जब दिल या उसे खून पहुंचाने वाली नसों में किसी तरह की समस्या पैदा होने लगती है। कई बार शरीर इसकी जानकारी अचानक नहीं देता, बल्कि उससे पहले छोटे-छोटे संकेत देता रहता है। दिक्कत यह है कि इन संकेतों को अक्सर गैस, थकान, तनाव, कमजोरी या बढ़ती उम्र का असर समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

हर साल 29 सितंबर को वर्ल्ड हार्ट डे मनाया जाता है। इस मौके पर कई संस्थान कैपेन के जरिए लोगों को दिल की बीमारी के उन संकेतों के बारे में जागरूक करते हैं, जिन्हें लोग अक्सर हल्के में ले लेते हैं।

दिल की बीमारी का मतलब सिर्फ हार्ट अटैक नहीं है। कोरोनरी आर्टरी डिजिज, हार्ट फेलियर और दिल की धड़कन से जुड़ी समस्याएं



भी इसके दायरे में आती हैं। इसलिए शरीर में होने वाले बदलावों को समझना जरूरी है। मेडिकल रिसर्च और अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन की जानकारी के मुताबिक इन संकेतों पर खास तौर पर ध्यान देना जरूरी है।

सीने में दबाव, भारीपन या जलन: हार्ट अटैक में हमेशा तेज दर्द ही हो, ऐसा जरूरी नहीं है। सीने के बीच में दबाव, जकड़न, भारीपन, जलन या असहजता भी चेतावनी हो

सकती है। यह कुछ मिनट तक रह सकती है या बीच में ठीक होकर दोबारा शुरू हो सकती है। इसे सिर्फ गैस या एसिडिटी समझकर नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है।

सांस फूलना: सामान्य काम करने, थोड़ा चलने या सीढ़ियां चढ़ने पर पहले के मुकाबले ज्यादा सांस फूलने लगे तो इसे भी गंभीरता से लेना चाहिए। हार्ट फेलियर में सांस फूलना धीरे-धीरे बढ़ सकता है और

कुछ लोगों को रात में अचानक सांस लेने में परेशानी के कारण नींद से उठना पड़ सकता है।

बिना वजह ज्यादा थकान: अगर रोज के सामान्य काम करने में भी असामान्य थकान महसूस हो रही है, तो इसका कारण सिर्फ नींद की कमी या काम का दबाव नहीं हो सकता। खासकर महिलाओं में असामान्य थकान और कमजोरी हार्ट अटैक से जुड़े लक्षणों में शामिल हो सकते हैं।

हाथ, पीठ, गर्दन या जबड़े में दर्द: दिल से जुड़ी परेशानी का असर सिर्फ सीने तक सीमित नहीं रहता। दर्द या दबाव एक या दोनों हाथों, कंधे, पीठ, गर्दन या जबड़े तक पहुंच सकता है। महिलाओं में पीठ, कंधे या जबड़े का दर्द कभी-कभी कम सामान्य लगने वाला हार्ट अटैक लक्षण हो सकता है।

पैरों और टखनों में सूजन: पैरों, टखनों या शरीर के दूसरे हिस्सों में लगातार सूजन को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हार्ट फेलियर में दिल की पंपिंग क्षमता कम होने पर शरीर में अतिरिक्त तरल जमा हो सकता है।

राजस्थान: करौली में पुलिस और आमजन ने लगाई फिटनेस की दौड़, खिलाड़ी भी हुए शामिल

विश्व केसरी ■
करौली। राजस्थान के करौली में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार को जिला मुख्यालय पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से मुंशी त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम तक आयोजित दौड़ में पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ खिलाड़ी, शहरवासी तथा सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं ने भाग लिया। आयोजन का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच विश्वास मजबूत करने के साथ फिटनेस के प्रति जागरूकता का संदेश देना रहा।

मैराथन में पुलिस और आमजन ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतिभागियों ने महाविद्यालय से दौड़ शुरू कर मुंशी त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम तक का सफर पूरा किया। रास्ते में युवाओं और खिलाड़ियों में खासा उत्साह नजर आया।

एसपी रामकुमार कस्वां ने बताया कि पुलिस महानिदेशक के निर्देश पर प्रदेश के सभी जिलों में मैराथन दौड़ और खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसका उद्देश्य पुलिसकर्मियों को फिट रखने के साथ आमजन को भी स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करना और पुलिस तथा जनता के बीच विश्वास को

मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि करौली में आयोजित मैराथन में पुलिसकर्मियों के साथ आमजन और खिलाड़ियों ने सहभागिता की। इस तरह के आयोजन से पुलिस और जनता के बीच बेहतर संवाद और विश्वास का माहौल बनता है। उन्होंने बताया कि भविष्य में भी इसी तरह की गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

कार्यक्रम में डीएसपी किशोर भदौरिया, पुलिस अधिकारी, जवान, खिलाड़ी और बड़ी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे। सेना भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं ने भी दौड़ में भाग लेकर फिटनेस के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली में शारीरिक स्वास्थ्य और आंतरिक ऊर्जा के संतुलन के लिए योग एक अत्यंत प्रभावी साधन है। इन्हीं योगिक अभ्यासों में से 'उत्तानपादासन' है, जो न सिर्फ पेट की चर्बी को कम करता है बल्कि शरीर में नई ऊर्जा और संतुलन भी लाता है। यह योगासन हठयोग के अंतर्गत ही आता है। हठयोग के आधुनिक और पारंपरिक अभ्यासों में शरीर को स्थिर और सुदृढ़ बनाने के लिए कई आसनों का वर्णन है, जिनमें से उत्तानपादासन एक महत्वपूर्ण आसन

है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्तानपादासन पेट के बल लेटकर किए जाने वाले आसनों में एक बेहद महत्वपूर्ण योगासन है। संस्कृत में 'उत्तान' का अर्थ 'ऊपर उठा हुआ' और 'पाद' का अर्थ 'पैर' होता है। इसका अर्थ है 'पैरों को ऊपर उठाकर की जाने वाली मुद्रा'। इस आसन को करने के दौरान पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को जमीन से 56.13 लाख गतिविधियां थीं, जबकि अन्य विभागों और संबद्ध एजेंसियों द्वारा लगभग 18 लाख गतिविधियां संचालित की गईं।

गुजरात के पोषण अभियान में 2.43 करोड़ गतिविधियां संपन्न हुईं, जागरूकता अभियान तेज

विश्व केसरी ■

गांधीनगर। गुजरात ने 'पोषण माह-2026' के दौरान पोषण संबंधी 2.43 करोड़ से अधिक गतिविधियां दर्ज की हैं। राज्य का मुख्य उद्देश्य आहार विविधता, नियमित विकास निगरानी और बच्चे के जीवन के पहले 1,000 दिनों के दौरान देखभाल के माध्यम से कुपोषण से निपटना है।

राज्यव्यापी अभियान 'अपनी आंगनवाड़ी, अपनी जिम्मेदारी' का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मनीषा वकील ने किया। इस अभियान में महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ-साथ स्वास्थ्य, पंचायत, ग्रामीण विकास और शिक्षा विभाग, स्थानीय स्वशासन निकाय, आंगनवाड़ी और स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह, अभिभावक और समुदाय

है।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, उत्तानपादासन पेट के बल लेटकर किए जाने वाले आसनों में एक बेहद महत्वपूर्ण योगासन है। संस्कृत में 'उत्तान' का अर्थ 'ऊपर उठा हुआ' और 'पाद' का अर्थ 'पैर' होता है। इसका अर्थ है 'पैरों को ऊपर उठाकर की जाने वाली मुद्रा'। इस आसन को करने के दौरान पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों को जमीन से 56.13 लाख गतिविधियां थीं, जबकि अन्य विभागों और संबद्ध एजेंसियों द्वारा लगभग 18 लाख गतिविधियां संचालित की गईं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, आयुष विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पंचायत विभाग और शिक्षा विभाग पांच प्रमुख योगदानकर्ता थे।

जिला स्तर पर, महिसागर, वलसाड, पाटन, आनंद और मेहसाणा में सबसे अधिक गतिविधियां दर्ज की गईं। वलसाड में, जिला कलेक्टर ने अभियान के तहत 'पोषण जागृति' रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

हमारे नाभि केंद्र (मणिपुर चक्र) और पेट के निचले भाग पर पड़ता है। यह आसन विशेष रूप से पाचन तंत्र को मजबूत करने, पेट की मांसपेशियों को सुईल बनाने और नाभि को उसके सही स्थान पर संतुलित रखने के लिए जाना जाता है। जो गैस, कब्ज, एसिडिटी या मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह आसन अत्यंत लाभकारी सिद्ध होता है। इसके अलावा, यह रीढ़ की हड्डी और जांघों की मांसपेशियों को भी शक्ति प्रदान करता है।

यह आसन न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद फायदेमंद कारगर है। इस आसन को नियमित रूप से करने से शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है और नर्वस सिस्टम संतुलित रहता है, जिससे अवसाद , तनाव और चिंता जैसी समस्याओं को कम करने में मदद मिलती है।

इस आसन को करने के दौरान गहरी सांस लेते हुए पैरों को ऊपर उठाया जाता है, तो मन एकाग्र होता है और दिमाग को शांति मिलती है।

DR. PRAJWAL SONI
M.B.B.S., M.D.
Obstetrics & Gynaecologist
colposcopist
Laparoscopic Surgeon & Infertility Specialist

Mo. 9827189970
9200668168

Soni Multispeciality Hospital and Maternity Home

📍 Bade Urla, Raipur Road, Abhanpur (C.G.)
📍 Amapara, Pitalband Road, Rajim, Gariyaband (C.G.)
✉️ drprajwalsoni@gmail.com

📞 911677722
📞 7509007388

Discover the new meaning of pleasure

Noorjaha Prime

DINING ■ BUFFET ■ ROOFTOP ■ LIVE BARBEQUE KITCHEN

📍 City Kotwali Road, Baijnathpura. Raipur.

83700 09993

:H.O.:

- Madarsa Road Baijnathpura, Raipur. Mobile: 83700 09994

:OUTLETS:

- Marine Drive, Telibandha, Raipur Mo: 83570 09997

कृषि हो या निर्माण क्वालिटी और मजबूती हमारी पहचान - वीनस मशीनरी

पावर वीडर, पैलेट मशीन, चाफ कटर, आटा चक्की, टोली, कंक्रीट मिक्सर, वाटर टैंकर, बैटरी स्पेयर, स्पेयर

निर्माण कार्य कृषि कार्य ग्रामीण क्षेत्र उद्योग एवं प्रोसेसिंग

सिंचाई एवं बागवानी किसानों हेतु उपयुक्त

निर्माता व विक्रेता :

वीनस मशीनरी

एफ-1, महिंद्रा शोरूम के बाजू में मेनरोड, देवपुरी, रायपुर (छ.ग.)

फ़ोन : 0771-3149312, मो. : 9343500569, 9516906000

Diwali Special Offer

विरकट बरत (अक्टूबर)

लक्ष्मी इलेक्ट्रानिक

एसी, फ्रीज, कूलर, अलमारी, टीवी

सस्ते दामों में उपलब्ध

पुराना एसी लाईये, नया ले जाईये

बजाज फाईनेस की सुविधा उपलब्ध

गोंदवारा रोड गुडियारी रायपुर मो.-93004-92401

RAIPUR SMART BUSINESS

GST ITR

फाइल बनवाएं मात्र 500/-

25 वर्ष का अनुभव

- CMA Data + Balance Sheet + प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- फूड लाइसेंस+ Income Tax Audit + TDS रिफंड

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार हैं।

संपर्क: शेखर गुप्ता RIFCO Tax Consultants

C-74, सेक्टर- 1, जुबेस्ता हॉस्पिटल के पास, देवेन्द्र नगर, रायपुर

Whatsaap पर बनवाएं 9300755544, 8878655544



श्री साईं केयर हॉस्पिटल
HOSPITAL

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

आपका स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण है, समय पर जांच ज़िम्मा ब्रवा सकती है।



श्री साईं केयर हॉस्पिटल
HOSPITAL



रक्तचाप जांच
Blood Pressure Check



रक्त शर्करा जांच
Blood Sugar Test



रक्त कोलेस्ट्रॉल जांच
Blood Cholesterol Test

हृदय जांच केन्द्र
Heart Check Center

हृदय अल्ट्रासाउंड
हृदय रक्त वाहिका जांच
हृदय रक्त वाहिका जांच

नसरी जांच केन्द्र
Nasal Check Center

नसरी जांच केन्द्र
नसरी जांच केन्द्र
नसरी जांच केन्द्र

आयुष्मान्दता जांच
Health Check

आयुष्मान्दता जांच
आयुष्मान्दता जांच
आयुष्मान्दता जांच

नसरी जांच केन्द्र
Nasal Check Center

नसरी जांच केन्द्र
नसरी जांच केन्द्र
नसरी जांच केन्द्र

आयुष्मान्दता जांच
Health Check

आयुष्मान्दता जांच
आयुष्मान्दता जांच
आयुष्मान्दता जांच

नसरी जांच केन्द्र
Nasal Check Center

नसरी जांच केन्द्र
नसरी जांच केन्द्र
नसरी जांच केन्द्र

आयुष्मान्दता जांच
Health Check

आयुष्मान्दता जांच
आयुष्मान्दता जांच
आयुष्मान्दता जांच

नसरी जांच केन्द्र
Nasal Check Center

नसरी जांच केन्द्र
नसरी जांच केन्द्र
नसरी जांच केन्द्र

स्वातंत्र्यकारी राष्ट्रवत्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लॉट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बी/गांव रोड उला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहना बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099, स्थानीय कार्यालय **B-87A** गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी)। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा। मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakasesri2026@gmail.com, आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251